सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

Savitribai Phule Pune University, Pune

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 [NEP] के अंतर्गत द्वितीय वर्ष कला हिंदी का पाठयक्रम

Under The New Education Policy 2020 [NEP] TYBA Hindi Course

बी.ए.तृतीय वर्ष के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम का ढाँचा

Credit Framework for Under Graduate (UG) (2025-26)

संबद्ध महाविद्यालयों के लिए

For Affiliated colleges

तृतीय वर्ष कला

पंचम एवं षष्ठ अयन

PROGRAMME OUTCOMES (POs):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थियों में विविध क्षमताओं का विकास होगा।

- **PO 1 Disciplinary Knowledge**
  हिंदी भाषा और साहित्य के बुनियादी तत्व समझ पाएंगे।
- **PO 2 Communication Skills**
  श्रवण, भाषण, वाचन तथा लेखन कौशल से अवगत होंगे।
- **PO 3 Critical Thinking**
  आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होगी।
- **PO 4 Problem Solving**
  सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, भाषिक समस्याओं का समाधान खोजने का प्रयत्न करेंगे।
- **PO 5 Analytical reasoning**
  प्राप्त जानकारी का तटस्थता से आस्वादन और विश्लेषण करना सीखेंगे।
- **PO 6 Research related Skills**
  अनुसंधान कार्य के लिए आवश्यक गुणों का विकास होगा।
- **PO 7 Cooperation / Team work**
  लक्ष्य प्राप्ति के लिए सामूहिक प्रयास करना सीखेंगे।
- **PO 8 Scientific reasoning**
  प्राप्त ज्ञान का वैज्ञानिक दृष्टि से परीक्षण अथवा प्रस्तुतिकरण करना सीखेंगे।
- **PO 9 Reflective thinking**
  वैचारिक गंभीरता अथवा गहराई से विचार करने की प्रवृत्ति विकसित होगी।
- **PO 10 Self-directed learning**
  संबंधित शैक्षिक कार्य का स्वयं अध्ययन करने के लिए बढ़ावा मिलेगा।
- **PO 11 Information / Digital literacy**
  दृकश्राव्य माध्यमों की सहायता से अध्ययन करेंगे।
- **PO 12 Multicultural Competence**
  सांस्कृतिक वैविध्य समझने की क्षमता विकसित होगी।
- **PO 13 Moral / Ethical Values**
  नैतिक मूल्य विकसित होने अथवा आत्मसात करने में सहायता मिलेगी।
- **PO 14 leadership Readiness**
  विषय से संबंधित क्षेत्र में नेतृत्व करने के कौशल प्राप्त होंगे।
- **PO 15 life-long learning**
  निरंतर अध्ययन और अनुसंधान कार्य करने में रुचि निर्माण होगी।

(Program Specific Outcomes (PSOs):
पाठ्यक्रम अध्ययन की विशिष्ट निष्पत्ति

- **PSO 1 Domain Knowledge**

  हिंदी साहित्य अथवा संबंधित पाठ्यक्रम विषयक विविध अवधारणा समझेंगे तथा उसका सौंदर्यशास्त्रीय आकलन होगा।
- **PSO 2 Professional Skills**

  भाषिक कौशल आत्मसात होंगे और तंत्रज्ञान का भाषिक व्यवहार में कुशलतापूर्वक प्रयोग कर सकेंगे।
- **PSO 3 Research**

  हिंदी भाषा और साहित्य संबंधी अनुसंधान कार्य हेतु प्रेरणा मिलेगी।
- **PSO 4 Social Responsibility**

  सामाजिक जिम्मेदारियों का एहसास होगा।
- **PSO 5 Personality Development**

  व्यक्तित्व विकास में सहायता होगी।

अनुक्रम

पंचम अयन

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical	कर्मांक	पृष्ठ क्रमांक
HIN-301-MJT	Major core	भाषाविज्ञान	सैद्धांतिक	4	
HIN-302-MJP		भाषाविज्ञान - प्रत्यक्ष कार्य	प्रात्यक्षिक	2	
HIN-303-MJT	Major core	हिंदी साहित्य और फिल्मांतरण	सैद्धांतिक	4	
HIN-304-MJP		हिंदी साहित्य और फिल्मांतरण - प्रत्यक्ष कार्य	प्रात्यक्षिक	2	
HIN-310-MJET	Major Elective	मुद्रित माध्यम और संपादन	सैद्धांतिक	2	
HIN-311-MJEP		मुद्रित माध्यम और संपादन - प्रत्यक्ष कार्य	प्रात्यक्षिक	2	
HIN-321-VSC	VSC	पटकथा लेखन	सैद्धांतिक	2	
HIN-331-CEP	CEP	सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम	प्रात्यक्षिक	2	
HIN-391-MIN	Minor	उपन्यास साहित्य	सैद्धांतिक	2	

षष्ठ अयन

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical	कर्मांक	पृष्ठ क्रमांक
HIN-351-MJT	Major core	हिंदी भाषा का विकास	सैद्धांतिक	4	
HIN-352-MJP		हिंदी भाषा का विकास - प्रत्यक्ष कार्य	प्रात्यक्षिक	2	
HIN-353-MJT	Major core	प्रयोजमूलक हिंदी	सैद्धांतिक	4	
HIN-354-MJP		प्रयोजमूलक हिंदी - प्रत्यक्ष कार्य	प्रात्यक्षिक	2	
HIN-360-MJET	Major Elective	इलेक्ट्रॉनिक माध्यम लेखन और संपादन	सैद्धांतिक	2	
HIN-361-MJEP		इलेक्ट्रॉनिक माध्यम लेखन और संपादन - प्रत्यक्ष कार्य	प्रात्यक्षिक	2	
HIN-371-VSC	VSC	पटकथा लेखन - प्रात्यक्षिक	प्रात्यक्षिक	2	
HIN-381-OJT	OJT	कार्यस्थल पर प्रशिक्षण	प्रशिक्षण	4	

तृतीय वर्ष कला (हिंदी) तृतीय वर्ष / पंचम अयन
Major core course 4 credit theory

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-351-MJT	Major core	भाषाविज्ञान	सैद्धांतिक	T	4

पाठ्यक्रम का लक्ष्य (Aims) :-

भाषा विज्ञान के इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा की वैज्ञानिक संरचना, स्वरूप और कार्यप्रणाली से परिचित कराना है। इसके अंतर्गत भाषाविज्ञान के नामकरण और परिभाषा के माध्यम से भाषा के स्वरूप को समझाया जाएगा। साथ ही ध्वनि विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान और अर्थ विज्ञान जैसी प्रमुख शाखाओं का व्यवस्थित अध्ययन कराया जाएगा। विद्यार्थी ध्वनि के स्वरूप, ध्वनि-यंत्र, ध्वनि गुण, शब्द और रूप का अंतर, संबंध तत्व तथा वाक्य की संरचना और आवश्यकता को समझ सकेंगे। विद्यार्थी इससे भाषा के निर्माण, विकास और प्रयोग की प्रक्रिया को तार्किक और विश्लेषणात्मक दृष्टि से देख पाएँगे। इस पाठ्यक्रम का एक अन्य लक्ष्य भाषाविज्ञान का साहित्य, व्याकरण, भूगोल और मनोविज्ञान से पारसस्परिक संबंध को स्पष्ट कर अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान और प्रोक्ति विज्ञान का सामान्य परिचय देना है। परिणामस्वरूप विद्यार्थी भाषा के व्यावहारिक पक्ष को समझ सकेंगे। अर्थ विज्ञान के अंतर्गत अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और उनके कारणों का अध्ययन विद्यार्थियों में भाषा के प्रति संवेदनशीलता और गहरी समझ विकसित करेगा। समग्र रूप से यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों की भाषा दक्षता, संप्रेषण क्षमता, विश्लेषण कौशल तथा शोध-उन्मुख दृष्टिकोण को सुदृढ़ बनाने में सहायक होगा।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी भाषाविज्ञान की संकल्पना, परिभाषा और महत्व को स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी भाषाविज्ञान की प्रमुख शाखाओं - ध्वनि, रूप, वाक्य और अर्थ का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेंगे।
3. विद्यार्थी ध्वनि के प्रकार, ध्वनि-यंत्र और ध्वनि गुणों की पहचान कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी शब्द और रूप के अंतर तथा संबंध तत्वों के विभिन्न प्रकारों का विश्लेषण कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी वाक्य की संरचना, आवश्यकताओं और भेदों को समझकर शुद्ध एवं प्रभावी वाक्य निर्माण कर पाएँगे।
6. विद्यार्थी अर्थ परिवर्तन की दिशाओं और उनके कारणों का विवेचन करने में सक्षम होंगे।
7. विद्यार्थी भाषाविज्ञान का साहित्य, व्याकरण, भूगोल और मनोविज्ञान से अंतः संबंध स्पष्ट कर सकेंगे।
8. विद्यार्थी अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान और प्रोक्ति विज्ञान के व्यावहारिक महत्व को समझ पाएँगे।
9. विद्यार्थी भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन के प्रति तार्किक एवं विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण विकसित करेंगे।
10. विद्यार्थी का संप्रेषण कौशल, उच्चारण की शुद्धता और शोध की प्रारंभिक क्षमता में वृद्धि होगी।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-2	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-3	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-4	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-5	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-6	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-7	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-8	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-9	3	3	2	2	2	3	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	3	1	1
CO-10	3	3	2	2	2	3	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	3	1	1
Wgt Avg	3	3	2	2	2	2.2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2.2	1	1

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	पाठ्यक्रम	तासिकाएं
इकाई-I	1. भाषाविज्ञान का नामकरण, परिभाषा । 2. भाषाविज्ञान की शाखाएँ- ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान। 3. भाषा-विज्ञान का अन्य शाखाओं से संबंध- भाषाविज्ञान और साहित्य, भाषाविज्ञान और व्याकरण, भाषाविज्ञान और भूगोल, भाषाविज्ञान और मनोविज्ञान। 4. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान (सामान्य परिचय)	15
इकाई-II	1. ध्वनि विज्ञान- ध्वनि का अर्थ, परिभाषा। ध्वनि यंत्र का परिचय। ध्वनि गुण (मात्रा, स्वराघात, बलाघात)। 2. रूप विज्ञान- अर्थ, परिभाषा। शब्द और रूप में अंतर। 3. संबंध तत्व के प्रकार - शब्द स्थान, शून्य संबंधतत्व, स्वतंत्र शब्द, ध्वनि प्रतिस्थापन, ध्वनि द्विरावृत्ति, आदिसर्ग, मध्यसर्ग, अंतसर्ग, ध्वनिगुण आदि।	15
इकाई-III	1. वाक्य विज्ञान- अर्थ, परिभाषा। 2. वाक्य की आवश्यकताएँ (सार्थकता, योग्यता, आकांक्षा, सन्निधि या आसत्ति, अन्विति।)	15

	3. वाक्य के भेद (रचनामूलक भेद, अर्थमूलक भेद, क्रियामूलक भेद)	
इकाई-IV	1. अर्थ विज्ञान- अर्थ, परिभाषा। 2. अर्थ परिवर्तन की दिशाएं- अर्थ संकोच, अर्थ विस्तार, अर्थदिशा। 3. अर्थ परिवर्तन के कारण। 4. प्रोक्ति विज्ञान (सामान्य परिचय)	15

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30%

1] 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

2] 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/ पुस्तक परीक्षण/ क्षेत्रीय भेंट/ भाषाविशेषज्ञ आदि का साक्षात्कार/ समूह चर्चा/ छात्र संगोष्ठी।

सत्रांत परीक्षा : 70%

चार इकाइयों पर अथवा में एक-एक प्रश्न। कुल चार प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य। $4 \times 15 = 60$

प्रश्न 5: वस्तुनिष्ठ बहु पर्यायी 10 प्रश्न। $10 \times 1 = 10$

चारों इकाईयों पर 10 बहु पर्यायी प्रश्न।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. भाषा विज्ञान- संपादक- राजमल बोरा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नयी दिल्ली
2. भाषा-विज्ञान- भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. भाषा-विज्ञान और भाषा-शास्त्र- कपिलदेव द्विवेदी
4. भाषा और समाज- रामविलास शर्मा
5. आधुनिक भाषा विज्ञान- राजमणि शर्मा
6. भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा- देवेंद्रकुमार शास्त्री
7. भाषा विज्ञान की भूमिका- डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
8. शैली विज्ञान और आलोचना रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
10. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान- प्रो. दिलीप सिंह
11. सामान्य भाषा विज्ञान- बाबूराम सक्सेना
12. भाषाविज्ञान - मधुकर देशमुख
13. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल पब्लिकेशन, जीरो रोड, इलाहबाद
14. भाषा विज्ञान - श्यामसुंदर दास, युवराज पब्लिकेशंस, आगरा

15. भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा - डॉ. मधुकर देशमुख, इंटरनेशनल पब्लिकेशन, 6 ए/540, आवास विकास हंसपुरम, कानपुर
16. हिंदी भाषा का उदगम और विकास - डॉ. उदयनारायण तिवारी भारती, भण्डार लीडर प्रेस प्रकाशन, प्रयाग
17. भाषा विज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, दीप्ती शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
18. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान - सिद्धात एवं प्रयोग - रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
19. हिंदी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु, प्रकाशक प्रकाशन संस्थान, दयानन्द मार्ग, दरियागंज, दिल्ली
20. शैली विज्ञान : प्रकार और प्रतिमान - पांडेय शशि भूषण शितांशु, हरियाणा ग्रन्थ अकेडमी प्रकाशन, पंचकुला हरियाणा

***

तृतीय वर्ष कला (हिंदी) तृतीय वर्ष / पंचम अयन
Major core course 2 credit practical

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-302-MJP	Major core	भाषाविज्ञान - प्रत्यक्ष कार्य	प्रात्यक्षिक	P	2

पाठ्यक्रम के लक्ष्य (Aim)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का मुख्य लक्ष्य विद्यार्थियों को भाषाविज्ञान के स्वरूप, सिद्धांतों और उसकी विभिन्न शाखाओं के वैज्ञानिक अध्ययन से परिचित कराना है। इसके माध्यम से छात्र भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की प्रक्रिया को समझेंगे तथा भाषा के ध्वनि, रूप, वाक्य और अर्थ संबंधी तत्वों का विश्लेषणात्मक दृष्टि से अध्ययन कर सकेंगे। चार्ट निर्माण, तुलना कार्य, समूह चर्चा और संगोष्ठी जैसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषा के प्रति जिज्ञासा, शोधात्मक दृष्टि तथा तर्कपूर्ण विचार करने की क्षमता विकसित होगी। साथ ही भाषाविज्ञान और अन्य विषय जैसे साहित्य, मनोविज्ञान और भूगोल के बीच संबंध को समझाकर भाषा अध्ययन की व्यापकता से भी छात्र परिचित होंगे।

इसके अतिरिक्त इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक और प्रयोगात्मक गतिविधियों के माध्यम से भाषा की संरचना और प्रयोग को समझने के लिए प्रेरित करना है। ध्वनि विज्ञान के अंतर्गत शुद्ध उच्चारण, स्वराघात और बलाघात की पहचान; रूप विज्ञान के अंतर्गत शब्दों की संरचना और प्रत्ययों का ज्ञान; वाक्य विज्ञान के अंतर्गत सही वाक्य निर्माण और वाक्य विश्लेषण; तथा अर्थ विज्ञान के अंतर्गत शब्दों के अर्थ परिवर्तन और उनके कारणों का अध्ययन कराना इसका महत्वपूर्ण लक्ष्य है। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषा के प्रति संवेदनशीलता, विश्लेषण क्षमता और रचनात्मकता का विकास होगा, जिससे वे भाषा के वैज्ञानिक, व्यावहारिक और सामाजिक महत्व को गहराई से समझ सकेंगे।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी भाषाविज्ञान के नामकरण एवं परिभाषा को स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी भाषाविज्ञान की प्रमुख शाखाओं का स्वरूप, क्षेत्र एवं महत्व समझते हुए संबंधित चार्ट एवं प्रस्तुति तैयार कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी भाषाविज्ञान और अन्य विषयों (साहित्य, मनोविज्ञान, भूगोल आदि) के अंतर्संबंध को समूह चर्चा/संगोष्ठी के माध्यम से विश्लेषित एवं व्याख्यायित कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी ध्वनि-उच्चारण के व्यावहारिक अभ्यास द्वारा स्वर, व्यंजन, मात्रा, स्वराघात एवं बलाघात की पहचान कर शुद्ध उच्चारण करने में सक्षम होंगे।
5. विद्यार्थी ध्वनि-निर्माण की प्रक्रिया को समझते हुए ध्वनि यंत्र (मुखगुहा, जिह्वा, तालु, स्वरयंत्र) के कार्य का चित्र के माध्यम से विश्लेषण कर सकेंगे।

6. विद्यार्थी रूप विज्ञान के अंतर्गत शब्द और रूप में अंतर समझ सकेंगे तथा शब्दों का रूप-विभाजन कर विश्लेषण कर सकेंगे।
7. विद्यार्थी कारक चिह्नों एवं संबंध तत्वों की पहचान कर उनके प्रकारों का वर्गीकरण कर सकेंगे।
8. विद्यार्थी वाक्य विज्ञान के सिद्धांतों (आकांक्षा, योग्यता, आसक्ति) के आधार पर शुद्ध वाक्य निर्माण कर सकेंगे।
9. विद्यार्थी अर्थ विज्ञान के अंतर्गत अर्थ परिवर्तन (संकोच, विस्तार, आदेश आदि) के उदाहरण संकलित कर उनके सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक कारणों का विश्लेषण कर सकेंगे।
10. विद्यार्थी किसी एक शब्द के अर्थ-इतिहास का कालक्रमानुसार अध्ययन कर शब्द-विकास की प्रक्रिया को शोधात्मक दृष्टि से प्रस्तुत कर सकेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	**PO-2**	**PO-3**	**PO-4**	**PO-5**	**PO-6**	**PO-7**	**PO-8**	**PO-9**	**PO-10**	**PO-11**	**PO-12**	**PO-13**	**PO-14**	**PO-15**	**PSO-1**	**PSO-2**	**PSO-3**	**PSO-4**	**PSO-5**
CO-1	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-2	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-3	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-4	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-5	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-6	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-7	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-8	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-9	3	3	2	2	2	3	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	3	1	1
CO-10	3	3	2	2	2	3	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	3	1	1
Wgt Avg	3	3	2	2	2	2.2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2.2	1	1

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

<table>
<tr><th>इकाई</th><th>पाठ्य विषय</th><th>तासिकाएं</th></tr>
<tr><td>इकाई I</td><td>1. भाषाविज्ञान : नामकरण, परिभाषा (चार्ट निर्माण गतिविधि)
अ) छात्र भाषाविज्ञान की परिभाषाएँ एवं विभिन्न शाखा संबंधी चार्ट तैयार करें। छात्र समूह बनाकर ध्वनि विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान के चार्ट तैयार करें।
ब) परिभाषा तुलना कार्य - विभिन्न भाषाविदों की परिभाषाएँ एकत्र कर तुलना करना। निष्कर्ष लिखना कि कौन-सी परिभाषा अधिक वैज्ञानिक है।
2. भाषाविज्ञान और अन्य शाखाओं के अंतः संबंध पर समूह चर्चा / संगोष्ठी के विषय: भाषाविज्ञान और साहित्य / मनोविज्ञान / भूगोल आदि विषय पर प्रत्येक समूह एक विषय पर प्रस्तुति दें।
3. ध्वनि विज्ञान (गतिविधियाँ):- ध्वनि-उच्चारण अभ्यास, स्वरों एवं व्यंजनों का शुद्ध उच्चारण अभ्यास। मात्रा, स्वराघात और बलाघात पहचानना। ध्वनि यंत्र का मॉडल / चित्र अध्ययन - मुखगुहा, जिह्वा, तालु, स्वरयंत्र के चित्र पर ध्वनि निर्माण समझाना। रिकॉर्डिंग गतिविधि - अपनी आवाज रिकॉर्ड कर स्वराघात व बलाघात का विश्लेषण।
4. रूप विज्ञान (गतिविधियाँ):- रूप विज्ञान – अर्थ, परिभाषा, शब्द और रूप में अंतर संबंधी प्रात्यक्षिक कार्य - शब्द-विभाजन - विद्यार्थियों को कुछ शब्द देकर उनके रूप अलग करने के लिए कहा जाए।
उदाहरण – लड़कियाँ = लड़की + याँ ; किताबें = किताब + एँ
शब्द–रूप पहचान तालिका बनाएं अथवा मौखिक प्रात्यक्षिक कार्य कराए- छात्र किसी एक शब्द को लेकर बताएँ - उसका मूल रूप, उसमें लगे प्रत्यय, उसका अर्थ आदि।
<table>
<tr><th>शब्द</th><th>मूल रूप</th><th>प्रत्यय</th><th>अर्थ</th></tr>
<tr><td>बच्चों</td><td>बच्चा</td><td>ओं</td><td>अनेक बालक</td></tr>
<tr><td>सुंदरता</td><td>सुंदर</td><td>ता</td><td>सुंदर होने का भाव</td></tr>
</table>
5. संबंध तत्व (गतिविधियाँ):- कारक चिह्न पहचानना। उनके प्रकारों की सूची बनाना। रिक्त स्थान पूर्ति अभ्यास, सही संबंध तत्व चुनकर वाक्य पूर्ण करना।</td><td>30</td></tr>
<tr><td>इकाई II</td><td>1. वाक्य विज्ञान- गतिविधियाँ - वाक्य निर्माण अभ्यास- आकांक्षा, योग्यता और आसक्ति के आधार पर सही वाक्य बनाना। वाक्य विश्लेषण कार्य, दिए गए वाक्यों के अनिवार्य तत्व पहचानना। वाक्य भेद वर्गीकरण - रचनामूलक, अर्थमूलक, क्रियामूलक भेद के अनुसार वाक्य छाँटना।
2. अर्थ विज्ञान- गतिविधियाँ- अर्थ परिवर्तन उदाहरण संग्रह, दैनिक जीवन या साहित्य से अर्थ संकोच, विस्तार और आदेश के उदाहरण देना। अर्थ परिवर्तन कारण विश्लेषण सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक कारणों पर चर्चा। शब्द इतिहास परियोजना, किसी एक शब्द का अर्थ परिवर्तन कालक्रम में लिखना।</td><td>30</td></tr>
</table>

अंक विभाजनः

आतंरिक मूल्यांकन - 30% (15 **अंक**)

1) 15 अंकों के लिए अध्ययन यात्रा / पुस्तक परीक्षण / क्षेत्र भेंट / विषय विशेषज्ञ का साक्षात्कार/छात्र गोष्ठी/मौखिक परीक्षा/ लिखित परीक्षा / परियोजना / क्षेत्रीय भेंट / ग्रंथालय कार्य / समूह चर्चा / प्रस्तुति / शोध परियोजना आदि।

सत्रांत परीक्षा - 70% (35 **अंक**)

प्रात्यक्षिक सत्रांत परीक्षा।

1. प्रश्न 1 और 2 इकाई I और II पर 10 + 10 = 20 अंको के लिए संबंधित कौशलाधारित कार्य छात्रों से प्रत्यक्ष करवाना होगा।

2. प्रश्न 3 - इकाई I और II पर संबंधित विषय पर लिखकर प्रस्तुति करनी अपेक्षित है। इसके लिए 15 अंक होंगे।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. भाषा विज्ञान- संपादक- राजमल बोरा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नयी दिल्ली
2. भाषा-विज्ञान- भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. भाषा-विज्ञान और भाषा-शास्त्र- कपिलदेव द्विवेदी
4. अभिवन भाषाविज्ञान- डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे
5. भाषा और समाज- रामविलास शर्मा
6. आधुनिक भाषा विज्ञान- राजमणि शर्मा
7. भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा- देवेंद्रकुमार शास्त्री
8. भाषा विज्ञान की भूमिका- डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
9. शैली विज्ञान और आलोचना रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
10. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
11. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान- प्रो. दिलीप सिंह
12. सामान्य भाषा विज्ञान- बाबूराम सक्सेना

***

तृतीय वर्ष कला (हिंदी) पंचम अयन

Major Core Course : 4 Credit Theory

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-303-MJT	Major Core	हिंदी साहित्य और फिल्मांतरण	सैद्धांतिक	T	4

पाठ्यक्रम का लक्ष्य (Aims) :

'हिंदी साहित्य और फिल्मांतरण' यह पाठ्यक्रम तृतीय वर्ष कला हिंदी मुख्य विषय के छात्रों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। हिंदी साहित्य और सिनेमा के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट करना इसका लक्ष्य है। अक्सर यह कहा जाता है कि 'कविता एक नाटक है और उपन्यास सिनेमा'। साहित्य अपने भीतर सशक्त कथ्य और गहन भावनात्मक सामग्री समेटे रहता है और सिनेमा साहित्यिक कंटेंट को जनसामान्य तक पहुँचाने वाला सशक्त माध्यम है। साहित्य और सिनेमा एक-दूसरे के पूरक हैं और हमारे अनुभव को अधिक समृद्ध बनाते हैं। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को फिल्मांतरण की अवधारणा, फिल्मांतरण की प्रक्रिया और उसके स्वरूप से परिचित करना है जिससे वे साहित्य से सिनेमा तक की रचनात्मक यात्रा की जानकारी प्राप्त कर सकें। हिंदी साहित्य की चर्चित प्रमुख कृतियों और उनके फिल्मांतरण के अध्ययन द्वारा पाठ और दृश्य के तुलनात्मक अध्ययन की क्षमता विकसित करना भी इसका एक उद्देश्य है। इसमें मूल कृति के प्रति निष्ठा और रचनात्मक स्वतंत्रता जैसे महत्त्वपूर्ण प्रश्नों पर विचार किया गया है। सिनेमा को केवल मनोरंजन के साधन के रूप में नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक पाठ के रूप में देखने की दृष्टि प्राप्त होगी। छात्रों को सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संदर्भों में फिल्मांतरण को समझने का अवसर प्रदान करना इसका उद्देश्य है। इस प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों में आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक चिंतन का विकास होने की संभावना है जिससे साहित्य और सिनेमा के अंत:संवाद को समझते हुए बहुविषयक अध्ययन की दृष्टि विकसित होगी। यह पाठ्यक्रम छात्रों को हिंदी साहित्य और सिनेमा दोनों की समग्र और गहन समझ प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात छात्र हिंदी साहित्य और सिनेमा के अंत:संबंध को समझ सकेंगे।
2. छात्र फिल्मांतरण की अवधारणा, फिल्मांतरण प्रक्रिया और उसके उद्देश्य से परिचित होंगे।
3. फिल्मांतरण के प्रमुख सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
4. साहित्यिक कृतियों के फिल्म रूपांतरण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
5. चयनित हिंदी साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों का अध्ययन कर सकेंगे।
6. छात्र साहित्य और फिल्म के माध्यमगत अंतर को पहचान सकेंगे।
7. साहित्यिक पाठ को सिनेमा के संदर्भ में विश्लेषित करने की क्षमता बढ़ेगी।
8. छात्रों में दृश्य और पाठ्य माध्यमों की आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होगी।
9. छात्र हिंदी सिनेमा में साहित्य की भूमिका को समझ सकेंगे।
10. छात्रों में रचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक सोच का विकास होगा।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital Literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	**PO-2**	**PO-3**	**PO-4**	**PO-5**	**PO-6**	**PO-7**	**PO-8**	**PO-9**	**PO-10**	**PO-11**	**PO-12**	**PO-13**	**PO-14**	**PO-15**	**PSO-1**	**PSO-2**	**PSO-3**	**PSO-4**	**PSO-5**
CO-1	3						2		3	2	3	3	3	1	3	3	2		2	
CO-2	3						2		3	2	2	2			3	3	3		2	
CO-3	3		3												3	3	2		2	
CO-4	3						2		3	2	3	3	3	1	3	3	2		2	
CO-5	3	2	3	2	3	3	2	2	3	3	3	3	3		3	3	3	2	3	2
CO-6	3		3	3	3			3	3	3	3				3	3	3		2	
CO-7		2	3	3	3	3				3	3	3			3	3	3	3		2
CO-8		2	3	3	3	3		3	3	3	3	3	2		3	3	3	3	2	2
CO-9	3						2		3	2	3	3	3	1	3	3	2		2	
CO-10		3	3		3	3	3	3		3	3	3	2		3	3	3	2	2	3
Wgt Avg	3	2.2	3	2.7	3	3	2.1	2.7	3	2.5	2.8	2.8	3.2	1	3	3	2.6	2.5	2.1	2.2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान एवं फिल्म प्रदर्शन, पाठ-फिल्म तुलनात्मक अध्ययन तथा समूह चर्चा एवं प्रस्तुति।

पाठ्यक्रम

इकाई	**पाठ्यविषय**	**तासिकाएँ**
इकाई 1	**फिल्मांतरण** 1. फिल्मांतरण : स्वरूप और अवधारणा 2. साहित्य का फिल्मांतरण : प्रक्रिया 3. साहित्य और सिनेमा का अंत:संबंध 4. साहित्य का सिनेमा में फिल्मांतरण : स्वरूप और तकनीक 5. फिल्मांतरण की आवश्यकता और प्रासंगिकता	15

इकाई 2	**हिंदी साहित्य और फिल्मांतरण** 1. हिंदी साहित्य पर आधारित फिल्मों का इतिहास 2. कहानियों का फिल्मांतरण 3. उपन्यासों का फिल्मांतरण 4. नाटकों का फिल्मांतरण 5. मूल के प्रति निष्ठा एवं निर्देशकीय स्वतंत्रता 6. फिल्मांतरण की संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ	15
इकाई 3	**चुनिंदा साहित्य कृतियों का फिल्मांतरण- तुलनात्मक अध्ययन** 1. साहित्यिक पाठ और फिल्म का तुलनात्मक विश्लेषण 2. प्रेमचंद : सद्गति 3. शरतचंद्र चट्टोपाध्याय : देवदास 4. फणीश्वरनाथ रेणु : तीसरी कसम 5. आर. के. नारायण : गाइड 6. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन	15
इकाई 4	**साहित्य और सिनेमा बदलते संदर्भ** 1. हिंदी साहित्य और समानांतर सिनेमा 2. हिंदी साहित्यकारों एवं रचनाओं पर आधारित वृत्तचित्र 3. साहित्यकार और फिल्मकार : रचनात्मक सहभागिता 4. समकालीन फिल्मांतरण : चुनौतियाँ और संभावनाएँ 5. सिनेमा के अद्यतन रूप : ओ.टी.टी., वी.एफ.एक्स., एनिमेशन, कृत्रिम मेधा आदि का प्रयोग	15

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30%

1] 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

2] 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/ पुस्तक परीक्षण/ क्षेत्रीय भेंट/ भाषाविशेषज्ञ आदि का साक्षात्कार, समूह चर्चा, छात्र संगोष्ठी।

सत्रांत परीक्षा : 70%

चार इकाइयों पर अथवा में एक-एक प्रश्न। कुल चार प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य। $4 \times 15 = 60$

प्रश्न 5: वस्तुनिष्ठ बहु पर्यायी 10 प्रश्न। $10 \times 1 = 10$

चारों इकाईयों पर 10 बहु पर्यायी प्रश्न।

संदर्भ ग्रंथ:

1. हमारे सिनेमा के बारे में- सत्यजित राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2003
2. कहानी से पटकथा तक- कमलेश्वर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999
3. कथा साहित्य और सिनेमा- असगर वजाहत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
4. साहित्य और सिनेमा- विजयेंद्र स्नातक, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
5. साहित्य के सामाजिक सरोकार- मैनेजर पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2006
6. भारतीय सिनेमा का इतिहास- कमल किशोर गोयनका, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
7. फिल्म अध्ययन : सिद्धांत और व्यवहार- सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
8. साहित्य और दृश्य माध्यम- रामदरश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
9. समानांतर सिनेमा : विचार और शिल्प- रविकांत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
10. सिनेमा : भाषा और संरचना- अजय तिवारी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2010
11. हिंदी सिनेमा : समाज और संस्कृति- जगदीश्वर चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
12. डिजिटल युग और हिंदी सिनेमा- प्रमोद कुमार, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018
13. मैंने देखा हिंदुस्तान- ख्वाजा अहमद अब्बास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1998
14. हिंदी साहित्य और सिनेमा- नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1985
15. सद्‌गति- प्रेमचंद, (मानसरोवर खंड 4) राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
16. देवदास- शरतचंद्र चट्टोपाध्याय (हिंदी अनुवाद), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009
17. तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम- फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013
18. गाइड- आर. के. नारायण (हिंदी अनुवाद), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
19. साहित्य और सिनेमा- डॉ. पुरुषोत्तम कुंदे (संपा.), साहित्य संस्थान, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)
20. सिनेमा और फिल्मांतरित हिंदी साहित्य - डॉ. गोकुळ क्षीरसागर, विकास प्रकाशन, कानपूर

***

तृतीय वर्ष कला (हिंदी) पंचम अयन

Major Core Course : 2 Credit Practical

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-304-MJP	Major Core	हिंदी साहित्य और फिल्मांतरण - प्रत्यक्ष कार्य	प्रात्यक्षिक	P	2

पाठ्यक्रम का लक्ष्य (Aims) :

'हिंदी साहित्य और फिल्मांतरण' यह प्रात्यक्षिक पाठ्यक्रम तृतीय वर्ष कला हिंदी मुख्य विषय के छात्रों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य लक्ष्य हिंदी साहित्य और सिनेमा के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट करना है। इसके माध्यम से छात्रों में साहित्य और सिनेमा की समझ विकसित होगी। साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्मों के प्रदर्शन के द्वारा छात्र दृश्य-श्रव्य माध्यम की भाषा और संरचना से परिचित होंगे। साथ ही साहित्य और सिनेमा के मध्य विद्यमान अंतरों को समझते हुए कथानक संरचना, चरित्र निर्माण तथा दृश्य भाषा के विश्लेषणात्मक कौशल सीखेंगे। यह पाठ्यक्रम मूल साहित्य और उसके फिल्मांतरण के बीच समानताओं एवं अंतरों को समझने की दृष्टि प्रदान करता है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों में आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक सोच का विकास करते हुए साहित्य से फिल्मांतरण की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप में समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही परियोजना कार्य के माध्यम से छात्रों में स्वतंत्र अध्ययन और शोध प्रवृत्ति को विकसित किया जाएगा। साहित्य और फिल्म लनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे। संक्षिप्त पटकथा रूपांतरण द्वारा रचनात्मक अभिव्यक्ति और प्रस्तुति कर सकेंगे और रोजगार के लिए अवश्यक कौशल अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात छात्र साहित्य पर आधारित फिल्मों के चयन की प्रक्रिया तथा उनके महत्व को समझ सकेंगे।
2. चयनित फिल्मों के प्रदर्शन के माध्यम से छात्रों में फिल्म देखने और समझने की आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होगी।
3. छात्र फिल्म की कथात्मक संरचना को पहचानने तथा उसके क्रमिक विकास का विश्लेषण कर सकेंगे।
4. छात्र साहित्यिक पात्रों और उनके फिल्मी रूपांतरण के बीच समानताओं एवं अंतरों को समझ सकेंगे।
5. छात्र कैमरा, प्रकाश, संपादन और ध्वनि जैसी दृश्य—श्रव्य तकनीकों के माध्यम से कथ्य की प्रस्तुति का विश्लेषण कर सकेंगे।
6. छात्र मूल साहित्यिक कृति और उसके फिल्मांतरण की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
7. छात्र साहित्यिक पाठ और फिल्म के बीच अंतःसंबंधों का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
8. छात्र किसी साहित्यिक कृति पर आधारित फिल्म का समग्र विश्लेषण प्रस्तुत कर सकेंगे।
9. छात्र साहित्य और सिनेमा के माध्यमगत अंतर को समझते हुए तुलनात्मक दृष्टि विकसित कर सकेंगे।
10. छात्र साहित्यिक रचना के आधार पर पटकथा निर्माण की प्रारंभिक क्षमता विकसित कर सकेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital Literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3						3		3	2	3	3	3		3	3	2		2	
CO-2			3		3	3		2	3	3	3	3	2		3	3	3	2	3	2
CO-3			3		3	3		2	3	3	3	3	2		3	3	3	2	3	3
CO-4	2								3	3	3	3	3		3	2	2			
CO-5	2	3			3	2	2		3	3	2				3		3			
CO-6		2	3	2	3			3	3	3	3	2	2		3		2			2
CO-7			3		2	3		2	3	3	3	3	3		3		2	3	2	2
CO-8		2		2	3	3	3		3	3				2	3		2	3	2	3
CO-9			3		2	3		2	3	3	3	3	3		3		2	3	2	3
CO-10		2		2	3	3	3		3	3				2	3		2	3	2	3
Wgt Avg	2.3	2.5	3	2	2.7	2.8	2.7	2.2	3	2.9	2.5	2.8	2.5	2	3	2.7	2.3	2.6	2.2	2.5

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान एवं फिल्म प्रदर्शन, पाठ-फिल्म तुलनात्मक अध्ययन तथा समूह चर्चा एवं प्रस्तुति।

पाठ्यक्रम

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1	**फिल्म प्रदर्शन एवं विश्लेषण** 1. सिनेमा के तत्त्व 2. साहित्य पर आधारित 2-3 फिल्मों का चयन 3. चयनित फिल्मों का प्रदर्शन 4. निम्न बिंदुओं पर विश्लेषण कथानक संरचना, चरित्र निर्माण, दृश्य भाषा, मूल साहित्य से फिल्मांतरण	30
इकाई 2	**परियोजना** 1. साहित्यिक कृति पर फिल्म का विश्लेषण 2. साहित्यिक कृति और फिल्म का तुलनात्मक मूल्यांकन	30

अंक विभाजनः

आतंरिक मूल्यांकन - 30% (15 **अंक**)

1. 15 अंकों के लिए अध्ययन यात्रा / फिल्म समीक्षा/वृत्तचित्र निर्माण/ क्षेत्र भेंट / विषय विशेषज्ञ का साक्षात्कार/छात्र गोष्ठी/मौखिक परीक्षा/ लिखित परीक्षा / परियोजना / क्षेत्रीय भेंट / ग्रंथालय कार्य / समूह चर्चा / प्रस्तुति / शोध परियोजना आदि।

सत्रांत परीक्षा - 70% (35 **अंक**)

प्रात्यक्षिक सत्रांत परीक्षा।

1. प्रश्न 1 और 2 इकाई I और II पर 10 + 10 = 20 अंको के लिए संबंधित कौशलाधारित कार्य छात्रों से प्रत्यक्ष करवाना होगा।
2. प्रश्न 3 - इकाई I और II पर संबंधित विषय पर लिखकर प्रस्तुति करनी अपेक्षित है। इसके लिए 15 अंक होंगे।

संदर्भ ग्रंथ:

1. हमारे सिनेमा के बारे में- सत्यजित राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2003
2. कहानी से पटकथा तक- कमलेश्वर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999
3. कथा साहित्य और सिनेमा- असगर वजाहत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
4. साहित्य और सिनेमा- विजयेंद्र स्नातक, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
5. साहित्य के सामाजिक सरोकार- मैनेजर पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2006
6. भारतीय सिनेमा का इतिहास- कमल किशोर गोयनका, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
7. फिल्म अध्ययन : सिद्धांत और व्यवहार- सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
8. साहित्य और दृश्य माध्यम- रामदरश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
9. समानांतर सिनेमा : विचार और शिल्प- रविकांत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
10. सिनेमा : भाषा और संरचना- अजय तिवारी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2010
11. हिंदी सिनेमा : समाज और संस्कृति- जगदीश्वर चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
12. डिजिटल युग और हिंदी सिनेमा- प्रमोद कुमार, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018
13. मैंने देखा हिंदुस्तान- ख्वाजा अहमद अब्बास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1998
14. हिंदी साहित्य और सिनेमा- नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1985
15. साहित्य और सिनेमा- डॉ. पुरुषोत्तम कुंदे (संपा.), साहित्य संस्थान, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)
16. सिनेमा और फिल्मांतरित हिंदी साहित्य - डॉ. गोकुळ क्षीरसागर, विकास प्रकाशन, कानपुर

तृतीय वर्ष कला (हिंदी) पंचम अयन
Major Elective 4 Credit Theory
पाठ्यचर्या : मुद्रित माध्यम और संपादन

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-310-MJET	Major Elective	मुद्रित माध्यम और संपादन	सैद्धांतिक	T	2

पाठ्यक्रम का लक्ष्य (AIMS) :

मुद्रित माध्यम (प्रिंट मीडिया) संचार का सबसे पुराना और विश्वसनीय रूप है, जिसमें अखबार, पत्रिकाएं, पुस्तकें और ब्रोशर शामिल हैं। यह कागज पर छपी सामग्री है, जो अपनी स्थायित्व, गंभीरता और गहन अध्ययन के लिए जाना जाता है। संपादन एक प्रक्रिया है, जो मुद्रित सामग्री की सटीकता, स्पष्टता और संक्षिप्तता सुनिश्चित करती है ताकि पाठक तक सही जानकारी पहुँच सके। मुद्रित माध्यम आज भी अपनी विश्वसनीयता के कारण जनसंचार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ है, और संपादन इसे परिष्कृत और प्रभावशाली बनाने का कौशल है।
मुद्रित माध्यम और संपादन के अध्ययन से छात्रों को रोजगार की संभावनाए अधिक है। इस दृष्टि से स्नातक स्तर पर छात्र के लिए यह विषय आवश्यक है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcoms)

1. मुद्रित माध्यम के इतिहास एवं स्वरूप को समझ सकेंगे।
2. मुद्रित माध्यम की प्रमुख विशेषताओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. मुद्रित माध्यमों की भाषा एवं सामग्री चयन के सिद्धांत समझ सकेंगे।
4. समाचार संकलन, रिपोर्टिंग एवं फीचर लेखन की प्रक्रिया अपना सकेंगे।
5. संपादन एवं संपादकीय के महत्व को समझते हुए संपादन कार्य कर सकेंगे।
6. समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं के लिए संपादकीय के प्रकार, भाषा और गुणों की पहचान कर सकेंगे।
7. शीर्षक लेखन, ले-आउट, डिज़ाइन, पेज मेकर और फोटो एडिटिंग के कौशल प्राप्त कर सकेंगे।
8. मुद्रण तकनीकों का तुलनात्मक ज्ञान प्राप्त कर उचित प्रयोग कर सकेंगे।
9. संपादकीय नीतियों एवं कानूनी पहलुओं (कॉपीराइट, मानहानि कानून) को पहचानते हुए प्रेस की स्वतंत्रता के संदर्भ में नैतिक संपादन कर सकेंगे।
10. स्वतंत्र रूप से समाचार या पत्रिका के संपादन का कार्य पूरा कर सकेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital Literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3	2	3	3	2	2	2	2	3	2	3	3	2	2	2	3	2	2	3	2
CO-2	2		3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2		3	2	2	2	2
CO-3	3	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	2	2	3
CO-4	3		3	3	2	2	2	2	3	2	2	3	2	2	2	3	2	2	3	3
CO-5	3	2	3			2			2	2	3	3	2	2		3	2	2	3	2
CO-6	2			3			2		3	2	3	3		2	2	3		2	3	3
CO-7	2		3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2		3	2	2		2
CO-8	3	3	3	2	2	2	2	2	3	2	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2
CO-9	3		2	2	2	2	2	2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	2		2
CO-10	3	2	2	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2
Wgt Avg	2.6	2.4	2.7	2.3	2	2	2.1	2	2.3	2	2.7	3	2	2	2	3	2	2	2.5	2.3

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

पाठ्यक्रम

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1	मुद्रित माध्यम का परिचय अर्थ, स्वरूप एवं संक्षिप्त इतिहास (भारत के संबंध में) मुद्रित माध्यमों के प्रकार (समाचार पत्र, पत्रिकाएं, पॅम्प्लेट (पत्रक) मुद्रित माध्यम की विशेषताएं (स्थायित्व, व्यापकता, प्रामाणिकता,सर्वजन सुलभता, उपलब्धता, संग्रहणीय, भाषा सीखने का माध्यम) मुद्रित माध्यमों की उपयोगिता मुद्रित माध्यमों की भाषा समाचार संकलन और रिपोर्टिंग समाचार के स्रोत, फीचर लेखन मुद्रित माध्यमो के लिए सामग्री चयन	15
इकाई 2	संपादन एवं संपादकीय संपादन एवं संपादकीय का महत्व संपादन की प्रक्रिया- (कॉपी एडिटिंग, प्रूफरिडिंग, शुद्धलेखन और व्याकरण) संपादकीय के प्रकार (समाचार पत्र एवं पत्रिका के अनुसार)	15

	संपादकीय की भाषा संपादक के गुण - शीर्षक, ले आऊट, डिझाइन, शीर्षक लेखन, पेज मेकर फोटो एडिटिंग, कलर करेक्शन मुद्रण तकनीके (ऑफसेट, डिजिटल प्रिंटिंग) संपादकीय नीतिया कॉपीराइट, मानहानि कानून,प्रेस की स्वतंत्रता	

अंक विभाजन:

आंतरिक मूल्यांकन 30%

1. 15 अंको की लघुत्तरी परीक्षा मुद्रित माध्यम का परिचय/ पत्राचार/ फीचर लेखन / फोटो एडिटिंग / मौखिक परीक्षा/ समूह चर्चा आदि

सत्रांत परीक्षा 70%

प्रश्न 1. इकाई I पर चार प्रश्न, जिनमे से दो प्रश्नो के उत्तर लिखने है l 2X 7= 14

प्रश्न 2. इकाई II पर चार प्रश्न, जिनमे से दो प्रश्नो के उत्तर लिखने है l 2X 7= 14

प्रश्न 3. दोनो इकाई पर सात बहु पर्यायी प्रश्न l 1X 7= 7

संदर्भ ग्रंथ -

1. समाचार संकलन और लेखन - डॉ. अर्जुन तिवारी
2. संपादन कला - डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र
3. हिंदी पत्रकारिता: विकास और आयाम - डॉ. वेदप्रताप वैदिक
4. जनसंचार और पत्रकारिता - डॉ. संजीव भानावत
5. मीडिया लेखन - डॉ. राममोहन पाठक
6. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद
7. वैश्वीकरण के आईने में हिंदी पत्रकारिता- डॉ. ऋचा शर्मा, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
8. हिंदी पत्रकारिता कल और आज - डॉ. ऋचा शर्मा, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

***

तृतीय वर्ष कला (हिंदी) पंचम यन

Major Elective Course: 2 Credit Practical

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-311-MJEP	Major Elective	मुद्रित माध्यम लेखन और संपादन	प्रात्यक्षिक	P	2

पाठ्यक्रम का लक्ष्य (Aims) :

'मुद्रित माध्यम लेखन और सम्पादन' यह पाठ्यक्रम तृतीय वर्ष कला के हिंदी विशेष के छात्रों को ध्यान में रखकार तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को मुद्रित माध्यमों की प्रकृति, संरचना और कार्यप्रणाली से परिचित कराना है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में माध्यम लेखन, अभिव्यक्ति और भाषिक अनुशासन का विकास करना है। यह पाठ्यक्रम समाचार, फीचर, आलेख तथा साक्षात्कार लेखन की मूलगत तकनीकों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना जिसका अपने आप में एक लक्ष्य है। साथ ही सम्पादन की प्रक्रिया, सम्पादक की भूमिका और मुद्रित माध्यम में गुणवत्ता नियंत्रण के महत्व को समझाना भी इसका उद्देश्य है। विद्यार्थियों को भाषा सम्पादन, तथ्य जाँच और प्रूफ रीडिंग के संज्ञान से अवगत कराना भी एक उद्देश्य है। साथ ही मुद्रित माध्यम में नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का बोध कराया जाएगा जिससे उनमें पाठक केंद्रित दृष्टिकोण विकसित होगा। व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से छात्रों में व्यावसायिक कौशल और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना भी इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य है जिससे वे मुद्रित मीडिया के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने के लिए तैयार हो सकें।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात छात्र मुद्रित माध्यमों का परिचय प्राप्त करेंगे।
2. समाचार लेखन और सामान्य साहित्यिक लेखन में वे अंतर अंकित कर सकेंगे।
3. समाचार, फीचर, आलेख और साक्षात्कार लेखन की बुनियादी तकनीकों का प्रयोग कर सकेंगे।
4. पाठक वर्ग के अनुसार भाषा, शैली और प्रस्तुति का चयन कर सकेंगे।
5. सम्पादन की प्रक्रिया और उसके विभिन्न प्रकारों से परिचित होंगे।
6. शीर्षक, उपशीर्षक और लीड तैयार करने का कौशल प्राप्त करेंगे।
7. सम्पादन हेतु पालन की जानेवाली आवश्यक सावधानियों से अवगत होंगे।
8. मुद्रित सामग्री की त्रुटियों को पहचान कर प्रूफ रीडिंग कर सकेंगे।
9. मुद्रित माध्यम के लिए आवश्यक नैतिकता और आचार संहिता से परिचित होंगे।
10. अकादमिक एवं व्यावसायिक माध्यम लेखन कर सकेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital Literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	2	2	3	3	2	2	2	2	3	2	3	3	2	2	2	3	2	2	3	2
CO-2	2		3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2		3	2	2	2	2
CO-3	3	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	2	2	3
CO-4	3		3	3	2	2	2	2	3	2	2	3	2	2	2	3	2	2	3	3
CO-5	3	2	3			2			2	2	3	3	2	2		3	2	2	3	2
CO-6	2			3			2		3	2	3	3		2	2	3		2	3	3
CO-7	2		3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2		3	2	2		2
CO-8	2	3	3	2	2	2	2	2	3	2	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2
CO-9	3		2	2	2	2	2	2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	2		2
CO-10	3	2	2	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2
Wgt Avg	2.4	2.4	2.7	2.3	2	2	2.1	2	2.3	2	2.7	3	2	2	2	3	2	2	2.5	2.3

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान व्याख्यान, समूह चर्चा, कार्यशाला, लेखन एवं सम्पादन अभ्यास

पाठ्यक्रम

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1	**लेखन अभ्यास** 1. समाचार लेखन का व्यावहारिक अभ्यास 2. विभिन्न विषयों पर फीचर लेखन 3. पत्रिका हेतु आलेख लेखन 4. शीर्षक और लीड तैयार करने का अभ्यास 5. भाषा की शुद्धता और प्रवाह पर विशेष अभ्यास	30
इकाई 2	**संपादन एवं प्रूफ अभ्यास** 1. समाचार तथा आलेख का सम्पादन 2. भाषा एवं व्याकरण संबंधी त्रुटियों का सुधार 3. प्रूफ रीडिंग का व्यावहारिक प्रयोग	30

	4. पृष्ठ सज्जा का सामान्य अभ्यास 5. छात्र पत्रिका अथवा पोस्टर का सम्पादन	

अंक विभाजन:

आतंरिक मूल्यांकन - 30% (15 **अंक**)

1. 15 अंकों के लिए अध्ययन यात्रा / मुद्रित माध्यम कार्यालय भेंट/वृत्तचित्र निर्माण/ क्षेत्र भेंट / विषय विशेषज्ञ का साक्षात्कार/छात्र गोष्ठी/मौखिक परीक्षा/ लिखित परीक्षा / परियोजना / क्षेत्रीय भेंट / ग्रंथालय कार्य / समूह चर्चा / प्रस्तुति / शोध परियोजना आदि।

सत्रांत परीक्षा - 70% (35 **अंक**)

प्रात्यक्षिक सत्रांत परीक्षा।

1. प्रश्न 1 और 2 इकाई I और II पर 10 + 10 = 20 अंको के लिए संबंधित कौशलाधारित कार्य छात्रों से प्रत्यक्ष करवाना होगा।
2. प्रश्न 3 - इकाई I और II पर संबंधित विषय पर लिखकर प्रस्तुति करनी अपेक्षित है। इसके लिए 15 अंक होंगे।

संदर्भ ग्रंथ:

1. समाचार संकलन और लेखन - डॉ. अर्जुन तिवारी
2. संपादन कला - डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र
3. हिंदी पत्रकारिता: विकास और आयाम - डॉ. वेदप्रताप वैदिक
4. जनसंचार और पत्रकारिता - डॉ. संजीव भानावत
5. मीडिया लेखन - डॉ. राममोहन पाठक
6. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद
7. वैश्वीकरण के आईने में हिंदी पत्रकारिता- डॉ. ऋचा शर्मा, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
8. हिंदी पत्रकारिता कल और आज - डॉ. ऋचा शर्मा, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

तृतीय वर्ष कला (हिंदी) पंचम अयन

VSC : 2 Credit Theory

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-321-VSC	VSC	पटकथा लेखन	सैद्धांतिक	T	2

पाठ्यक्रम का लक्ष्य (Aims) :

इस पाठ्यक्रम का मुख्य लक्ष्य छात्रों को पटकथा लेखन का आधारभूत ज्ञान प्रदान करना है। इसके माध्यम से विद्यार्थी पटकथा, कथा और संवाद के बीच के अंतर तथा उनके संबंध को सरल रूप में समझ सकेंगे। वे पटकथा लेखन की पूरी प्रक्रिया, उसके विभिन्न चरणों और ड्राफ्ट लेखन की विधि को जान पाएँगे। साथ ही, छात्र फीचर फिल्म, लघु फिल्म, वेब सीरीज और डॉक्युमेंट्री जैसी विभिन्न प्रकार की पटकथाओं से परिचित होंगे। यह पाठ्यक्रम उनकी रचनात्मकता को विकसित करता है और उन्हें कहानी को प्रभावी ढंग से दृश्य रूप में प्रस्तुत करना सिखाता है। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थी दृक-श्रव्य माध्यमों के लिए संवाद और पटकथा लिखने में दक्षता प्राप्त करेंगे तथा आधुनिक सॉफ्टवेयर के उपयोग का ज्ञान भी हासिल करेंगे। अंततः यह पाठ्यक्रम छात्रों में व्यावसायिक और सृजनात्मक लेखन कौशल का विकास करता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात छात्र छात्र पटकथालेखन की परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व को समझ सकेंगे।
2. छात्र कथा, पटकथा और संवाद के बीच अंतर एवं उनके परस्पर संबंध को पहचान सकेंगे।
3. छात्र पटकथा लेखन की प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से समझ पाएंगे।
4. छात्र ड्राफ्ट लेखन के विभिन्न चरणों का अभ्यास कर सकेंगे।
5. छात्र विभिन्न प्रकार की पटकथाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
6. छात्र दृक-श्रव्य माध्यमों के लिए पटकथा लेखन कौशल विकसित कर सकेंगे।
7. छात्र लघु फिल्म के लिए स्वतंत्र रूप से पटकथा तैयार करने में सक्षम होंगे।
8. छात्र कथा, पटकथा और संवाद लेखन के व्यावहारिक पक्ष को समझकर उसका अनुप्रयोग कर सकेंगे।
9. छात्र फिल्म वॉक-थ्रू एवं अन्य चलचित्रों के विश्लेषण के माध्यम से दृश्य संरचना को समझ सकेंगे।
10. छात्र पटकथा लेखन में उपयोग होने वाले प्रमुख सॉफ्टवेयर का प्रयोग करना सीख सकेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital Literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3	2	2							2	2				2	3	2			2
CO-2	3	3	2	2	2				2	2	2				2	3	2			2
CO-3	3	2	3	2	2	2		1	2	2	2				2	3	2	2		2
CO-4	2	2	2	3	2	2			2	2	2	1	1		2	2	2	2		2
CO-5	2	2	3	3	3	2			2	2	2	1			2	2	3	2		2
CO-6	3	3	2	2	2	2	2		2	2	3		1		2	3	3	2		2
CO-7	3	3	2	3	2	2	2		2	3	3			2	2	3	3	2	2	3
CO-8	3	3	3	2	2	2	2		3	3	3		2	2	2	3	3	2	2	3
CO-9	2	2	3	3	3	2	2	1	3	3	3	1	1	2	2	2	3	2	2	3
CO-10	2	2	2	2	2	2			2	3	3			2	3	2	3	2	2	3
Wgt Avg	2.6	2.4	2.4	2.4	2.2	1.6	2	1	2.2	2.4	2.5	1	2	2	2.1	2.6	2.6	2	2	2.4

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान, चर्चा, उदाहरण, प्रायोगिक (व्यावहारिक), परियोजना, कार्यशाला, दृश्य-श्रव्य शिक्षण पद्धति।

पाठ्यक्रम

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1	**पटकथा लेखन परिचय** 1. पटकथा (स्क्रिप्ट) लेखन: अर्थ, परिभाषा एवं परिचय 2. पटकथा के अंग- कथा, पटकथा और संवाद 3. पटकथा लेखन की प्रक्रिया 4. पटकथा लेखक के गुण 5. पटकथा के प्रकार- फीचर फिल्म, लघु फिल्म, वेब सीरीज, वृत्तचित्र (डॉक्युमेंट्री)।	15

इकाई2	**दृक-श्रव्य माध्यमों के लिए पटकथा लेखन** 1. दृक -श्रव्य माध्यमों के लिए पटकथा लेखन 2. लघु फिल्म के लिए पटकथा लेखन 3. फीचर फिल्म के लिए पटकथा लेखन 4. वृत्तचित्र के लिए पटकथा लेखन 5. पटकथा लेखन के मुख्य सॉफ्टवेयर- सेल्टेक्स (Celtx), फाइनल ड्राफ्ट (Final Draft), राइटरडुएट (Writer Duet), फेड इन (Fade In) आदि।	15

अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 30%

1. 15 अंकों के लिए लघुत्तरी परीक्षा / पटकथा लेखक का साक्षात्कार/सेमिनार / प्रस्तुति किसी विषय पर पटकथा लेखन आदि।

सत्रांत परीक्षा : 70%

1. प्रथम इकाई पर 4 में से 2 प्रश्न $7 \times 2 = 14$
2. द्वितीय इकाई पर 4 में से 2 प्रश्न $7 \times 2 = 14$
3. दोनों इकाइयों पर सात वस्तुनिष्ठ बहुपर्यायी प्रश्न $1 \times 7 = 7$

संदर्भ ग्रंथ:

1. कथा, पटकथा- मन्नू भंडारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कथा, पटकथा और संवाद- हूबनाथ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पटकथा लेखक: एक परिचय- मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. पटकथा कैसे लिखें- राजेंद्र पाडे, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
5. पटकथा लेखन: फीचर फिल्म- उमेश राठौर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. पटकथा लेखन: व्यावहारिक निर्देशिका- असगर वजाहत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. पटकथा: सौंदर्य और सृजन- डॉ. चंद्रदेव यादव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. साहित्य और सिनेमा- डॉ. जालिंदर इंगळे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. साहित्य और सिनेमा- डॉ. पुरुषोत्तम कुंदे (संपा.), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. सिनेमा और फिल्मांतरित हिंदी साहित्य - डॉ. गोकुळ क्षीरसागर, विकास प्रकाशन, कानपुर
11. साहित्य, पटकथा और फिल्मांतरण, डॉ. बाळासाहेब सोनवणे, डॉ. स्मृति चौधरी, प्रकाशक – प्रशांत पब्लिकेशन, जलगांव

***

तृतीय वर्ष कला (हिंदी) पंचम अयन

Community Engagement Program: 2 Credit Theory

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-331-CEP	CEP	सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम	प्रात्यक्षिक	P	2

पाठ्यक्रम का लक्ष्य (Aims) :

सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को समाज से जोड़ना और उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है। यह कार्यक्रम केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन के अनुभव प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र समाज की विभिन्न समस्याओं जैसे स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण आदि को समझते हैं और उनके समाधान में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इससे उनमें संवेदनशीलता, सहानुभूति, नेतृत्व क्षमता तथा टीमवर्क जैसे गुणों का विकास होता है। साथ ही, यह कार्यक्रम शिक्षा को अधिक व्यावहारिक और उपयोगी बनाता है। विद्यार्थी अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज के हित में करते हैं, जिससे उनका समग्र व्यक्तित्व विकास होता है। अतः इस पाठ्यक्रम का औचित्य विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनाना, सामाजिक जागरूकता बढ़ाना तथा शिक्षा को समाज से जोड़ना है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. छात्र समाज की संरचना, समस्याओं और आवश्यकताओं को समझने में सक्षम होंगे।
2. छात्रों में सामाजिक उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता का विकास होगा।
3. छात्र प्रभावी संचार कौशल विकसित करेंगे और विभिन्न समुदायों के साथ संवाद स्थापित कर सकेंगे।
4. छात्र पर्यावरण संवर्धन की विभिन्न विधियों - जल संरक्षण, वन संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन आदि का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
5. समूहकार्य और सहयोग के माध्यम से सामूहिक रूप से कार्य करने की क्षमता विकसित होगी एवं नैतिक मूल्यों और पेशेवर आचरण का पालन करना सीखेंगे।
6. रचनात्मक लेखन, साक्षात्कार, सर्वेक्षण, परियोजना, समय प्रबंधन एवं कार्यान्वयन से संबंधित कौशल छात्रों में विकसित होंगे।
7. समाज के प्रति सकारात्मक योगदान देने की प्रेरणा विकसित होगी तथा छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास में वृद्धि होगी और वे जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।
8. छात्र सतत विकास की अवधारणा को समझकर उसके सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय आयामों का संबंध स्पष्ट कर सकेंगे।
9. छात्र स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विषयवस्तु का चयन कर सामुदायिक स्तर पर क्रियाशील हो सकेंगे।

10. छात्र मुद्रित माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी भाषा के वर्तमान स्वरूप का विश्लेषण कर सकेंगे ।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital Literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	**PO-2**	**PO-3**	**PO-4**	**PO-5**	**PO-6**	**PO-7**	**PO-8**	**PO-9**	**PO-10**	**PO-11**	**PO-12**	**PO-13**	**PO-14**	**PO-15**	**PSO-1**	**PSO-2**	**PSO-3**	**PSO-4**	**PSO-5**
CO-1	3	3	3	3	3	3	3	2	2	3	2	3	3	2	2	3	2	2	2	2
CO-2	3	3	-	3	3	3	3	2	2	3	2	3	3	2	2	3	2	2	2	2
CO-3	3	3	3	3	3	3	3	2	2	3	2	3	3	2	2	3	3	2	2	2
CO-4	3	3	3	-	3	3	-	2	2	3	2	3	3	2	2	3	3	2	2	3
CO-5	3	3	3	3	3	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	3	3	2	2	3
CO-6	3	-	-	3	-	3	3	2	2	2	2	-	2	-	2	3	3	2	2	2
CO-7	3	-	3	3	-	3	3	2	2	2	2	2	-	2	2	3	3	2	2	3
CO-8	3	3	3	3	3	3	-	2	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2	2
CO-9	3	3	3	-	3	3	3	2	2	2	2	1	2	1	2	3	3	2	2	2
CO-10	3	3	3	3	3	3	3	2	2	2	2	1	2	1	2	3	3	2	2	2
Wgt Avg	3	3	3	3	3	3	3	2	2	2.5	2	2.4	2.3	1.6	2	3	2.8	2	2	2.2

शिक्षा विधि (Pedagogy) : सर्वेक्षण, साक्षात्कार, परियोजना प्रत्यक्ष कार्य विधि ।

पाठ्यक्रम

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1	• **साहित्य और समाज पर आधारित** 1. ग्रामीण क्षेत्र में लोकगीतों का संकलन और विश्लेषण 2. लोककवि / गायक / कथाकार का क्षेत्रीय अध्ययन 3. स्थानीय साहित्यकारों का साहित्यिक योगदान (साक्षात्कार पर आधारित) • **लोक संस्कृति और परंपरा पर आधारित** 1. लोककथाओं का संकलन एवं उनका साहित्यिक महत्व	30

	2. लोकनाट्य (तमाशा / नौटंकी / भारूड़) का अध्ययन 3. ग्रामीण कहावतों और मुहावरों का सामाजिक अध्ययन	
इकाई 2	1. **पर्यावरण पर आधारित** 2. पर्यावरण संरक्षण पर आधारित लोकगीत / कथाओं का संग्रह 3. पर्यावरण जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक अध्ययन 4. प्लास्टिक मुक्त अभियान : समस्या, प्रभाव और उपाय 5. जल संकट और स्थानीय समाधान : क्षेत्रीय अध्ययन 6. त्योंहारों के दौरान प्रदूषण स्तर का सामाजिक अध्ययन 7. वायु प्रदूषण की स्थिति : यातायात क्षेत्रों का अध्ययन 8. सामुदायिक सहभागिता - स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण कार्यक्रम, जल बचाओ अभियान, जन जागरूकता कार्यक्रम, NGO की भूमिका । इसके अलावा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार क्षेत्र परियोजना हेतु विषय दिए जा सकते हैं ।	30

अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 30% (15 **अंक**)

1. 15 अंकों के लिए छात्र संगोष्ठी / क्षेत्र भेट / लिखित परीक्षा / मौखिक परीक्षा / वृत्तचित्र निर्माण / समूह चर्चा आदि।

सत्रांत परीक्षा : 70% (35 **अंक**)

उपर्युक्त विषयों में से किसी एक विषय पर संकलित सामग्री का विश्लेषण कर 25 पृष्ठों तक परियोजना लेखन अथवा किसी एक विषय पर लघु फिल्म निर्माण करना अपेक्षित हैं। इसके लिए 25 अंक निर्धारित हैं। संकलित सामग्री पर मौखिकी देनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ:

1. भारतीय लीक परंपरा और उत्सव - डॉ. संजीव कुमार
2. लोक संस्कृति और लोक पर्व - डॉ. कमला श्रीवास्तव
3. हिंदी साहित्य में जल विमर्श - डॉ. रविंद्र ठाकरे, साहित्य ग्राम प्रकाशन, विलासपुर (छत्तीसगढ़)
4. पर्यावरण अध्ययन - डॉ. एम. के. गोयल
5. पर्यावरण प्रदूषण और पर्यावरणीय संरक्षण - डॉ. अखिलेश कुमार
6. पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी - निशा महाराणा
7. जल थल मल - सोपान जोशी

***

तृतीय वर्ष कला पंचम अयन
Minor 2 Credit
पाठ्यचर्या : उपन्यास साहित्य

अ. क्र.	Minor	क्रेडिट
HIN-391-MIN	**उपन्यास साहित्य**	2

पाठ्यक्रम का लक्ष्य (Aims) :

हिंदी उपन्यास गद्य साहित्य की एक प्रमुख विधा है, जो मानव जीवन का विस्तृत, यथार्थवादी और काल्पनिक चित्रण करती है। यह विधा साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। कहानी कहने की एक आधारशिला के रूप में, उपन्यास हमें नई दुनिया में ले जाते हैं, अविस्मरणीय पात्रों से हमारा परिचय कराते हैं और मानवीय अनुभवों पर प्रकाश डालते हैं। एक साहित्यिक कृति के रूप में, यह पाठकों को मानवीय अनुभवों की झलक प्रदान करती है, और अक्सर भावनाओं, रिश्तों और सामाजिक मुद्दों की जटिलताओं का अन्वेषण करती है। हिंदी साहित्य में प्रेरणादायक उपन्यासों की एक समृद्ध परंपरा है, जो जीवन संघर्ष, नैतिकता और सामाजिक सुधार का संदेश देते हैं।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcoms)

1. छात्र उपन्यास विधा से परिचित होंगे।
2. छात्र उपन्यास तत्वों का परिचय प्राप्त करेंगे।
3. 12th फेल इस उपन्यास का विस्तृत परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
4. छात्र उपन्यास के पात्र के वास्तविक जीवन संघर्ष से परिचित होंगे।
5. पठित उपन्यास पढने से छात्रों को संघर्ष करने की प्रेरणा मिलेगी।
6. छात्र अनुराग पाठक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।
7. छात्र उपन्यास वाचन कला के प्रति प्रेरित होंगे।
8. छात्रों को उपन्यास में निहित मूल्य अवगत होंगे।
9. छात्र उपन्यास के उद्देश्य को समझ सकेंगे।
10. छात्र उपन्यास की भाषा एवं शैली से परिचित होंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital Literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	2	2	3	3	2	2	2	2	3	2	3	3	2	2	2	2	2	2	3	2
CO-2	2	3	3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2		2	2	2	2	2
CO-3	2	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2	3	2	2	2	2	2	2	2	2
CO-4	2		3	3	2	2	2	2	3	2	2	3	2	2	2	2	2	2	3	2
CO-5	2	2	3			2			2	2	3	3	2	2		2	2	2	3	2
CO-6	2	3	3	3			2		3	2	3	3		2	2	2		2	3	2
CO-7	2	3	3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2		2	2	2	2	2
CO-8	2	3	3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2	2	2	2	2	2	2
CO-9	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	2	2	2	2
CO-10	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2	2	2	2	2	2	2
Wgt Avg	2	2.3	3	2.3	2	2	2.1	2	2.3	2	2.7	3	2	2	2	2	2	2	2.4	2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1	उपन्यास अर्थ, स्वरूप, परिभाषा उपन्यास विधा का विकास, उपन्यास का सामान्य परिचय उपन्यास के तत्व उपन्यासकार अनुराग पाठक : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	15
इकाई 2	**पाठ्यपुस्तक 'ट्वेल्थ फेल' उपन्यास** (अनुराग पाठक), नियोलिट पब्लिकेशन्स कथावस्तु पात्र चरित्र-चित्रण देश काल वातावरण संवाद भाषाशैली उद्देश्य शीर्षक की सार्थकता उपन्यास का कथ्य नायक की संघर्ष चेतना	15

	उपन्यास की प्रासंगिकता उपन्यास की मूल संवेदना	

अंक विभाजन:

आंतरिक मूल्यांकन 30%

1. 15 अंको की लघुत्तरी परीक्षा

सत्रांत परीक्षा 70%

प्रश्न 1. इकाई I पर चार प्रश्न, जिनमे से दो प्रश्नो के उत्तर लिखने है $2 \times 7 = 14$

प्रश्न 2. इकाई II पर चार प्रश्न, जिनमे से दो प्रश्नो के उत्तर लिखने है $2 \times 7 = 14$

प्रश्न 3. दोनों इकाई पर सात बहु पर्यायी प्रश्न $1 \times 7 = 7$

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी उपन्यास का विकास - मधुरेश - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आधुनिक हिंदी उपन्यास और समाज - डॉ. नामवर सिंह

षष्ठ अयन

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical	कर्मांक	पृष्ठ क्रमांक
HIN-351-MJT	Major core	हिंदी भाषा का विकास	सैद्धांतिक	4	
HIN-352-MJP		हिंदी भाषा का विकास - प्रत्यक्ष कार्य	प्रात्यक्षिक	2	
HIN-353-MJT	Major core	प्रयोजमूलक हिंदी	सैद्धांतिक	4	
HIN-354-MJP		प्रयोजमूलक हिंदी - प्रत्यक्ष कार्य	प्रात्यक्षिक	2	
HIN-360-MJET	Major Elective	इलेक्ट्रॉनिक माध्यम लेखन और संपादन	सैद्धांतिक	2	
HIN-361-MJEP		इलेक्ट्रॉनिक माध्यम लेखन और संपादन - प्रत्यक्ष कार्य	प्रात्यक्षिक	2	
HIN-371-VSC	VSC	पटकथा लेखन - प्रात्यक्षिक	प्रात्यक्षिक	2	
HIN-381-OJT	OJT	कार्यस्थल पर प्रशिक्षण	प्रशिक्षण	4	

हिंदी भाषा का विकास

तृतीय वर्ष कला (हिंदी) तृतीय वर्ष / पंचम अयन

Major core course 4 credit theory

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-351-MJT	Major core	हिंदी भाषा का विकास	सैद्धांतिक	T	4

पाठ्यक्रम के लक्ष्य (Aim)

हिंदी भाषा के विकास से संबंधित इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा की मूल अवधारणा, परिभाषा तथा उसकी प्रमुख विशेषताओं से परिचित कराना है। इसके अंतर्गत भाषा के विविध रूप -बोली, मानक भाषा, साहित्यिक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा और अंतर्राष्ट्रीय भाषा का अध्ययन कराया जाएगा, जिससे विद्यार्थी भाषा की सामाजिक और सांस्कृतिक भूमिका को समझ सकेंगे। साथ ही बोली और भाषा के अंतर को स्पष्ट करते हुए हिंदी की प्रमुख बोलियां - पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी हिंदी, बिहारी हिंदी और पहाड़ी हिंदी आदि का सामान्य परिचय दिया जाएगा। हिंदी के शब्द भंडार, जैसे तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्दों के अध्ययन से विद्यार्थियों में भाषा की समृद्धि और विकास प्रक्रिया के प्रति जागरूकता विकसित होगी।

इस पाठ्यक्रम का एक अन्य महत्वपूर्ण लक्ष्य हिंदी के व्याकरणिक स्वरूप को समझाना है, जिसके अंतर्गत सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के विभिन्न भेदों का अध्ययन कराया जाएगा। साथ ही नागरी लिपि के उद्भव, विकास, विशेषताओं और उसमें सुधार की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को हिंदी लेखन की वैज्ञानिकता और व्यावहारिकता से अवगत कराया जाएगा। समग्र रूप से यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के ऐतिहासिक विकास, संरचनात्मक स्वरूप और व्यावहारिक उपयोग के प्रति गहरी समझ विकसित करेगा तथा उनकी भाषिक दक्षता, अभिव्यक्ति क्षमता और विश्लेषणात्मक दृष्टि को सुदृढ़ बनाएगा।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी भाषा की परिभाषा, प्रकृति और विशेषताओं को स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी भाषा के विभिन्न रूपों की पहचान कर उनके सामाजिक महत्व का विवेचन कर पाएँगे।
3. विद्यार्थी बोली और भाषा के अंतर को उदाहरण सहित स्पष्ट कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी हिंदी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय प्राप्त कर उनकी विशेषताओं को समझेंगे।
5. विद्यार्थी हिंदी के शब्द भंडार-तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्दों का वर्गीकरण कर सकेंगे।
6. विद्यार्थी हिंदी के व्याकरणिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त कर शुद्ध भाषा प्रयोग में सक्षम होंगे।
7. विद्यार्थी सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के भेदों की पहचान कर उनका सही उपयोग कर पाएँगे।
8. विद्यार्थी नागरी लिपि के उद्भव और विकास की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।

9. विद्यार्थी नागरी लिपि की विशेषताओं तथा उसमें सुधार की संभावनाओं का विश्लेषण कर पाएँगे।
10. विद्यार्थी हिंदी भाषा के विकास, संरचना और प्रयोग के प्रति तार्किक, संवेदनशील और शोध-उन्मुख दृष्टिकोण विकसित करेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-2	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-3	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-4	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-5	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-6	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-7	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-8	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-9	3	3	2	2	2	3	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	3	1	1
CO-10	3	3	2	2	2	3	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	3	1	1
Wgt Avg	3	3	2	2	2	2.2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2.2	1	1

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	पाठ्यक्रम	तासिकाएं
	1. भाषा की परिभाषा, भाषा की विशेषताएँ। 2. भाषा के विविध रूप-	15

इकाई-I	बोली, भाषा, मानक भाषा, साहित्यिक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा। 3. बोली और भाषा में अंतर।	
इकाई-II	1. हिंदी के बोली वर्ग (सामान्य परिचय) – पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी हिंदी, बिहारी हिंदी, पहाड़ी हिंदी। 2. हिंदी का शब्द भंडार- तत्सम शब्द, तद्भव शब्द, देशज शब्द, विदेशी शब्द।	15
इकाई-III	1. हिंदी का व्याकरणिक स्वरूप 1.1 सर्वनाम के भेद- पुरुषवाचक सर्वनाम, प्रश्नवाचक सर्वनाम, संबंधवाचक सर्वनाम, निश्चयवाचक सर्वनाम, अनिश्चयवाचक सर्वनाम, निजवाचक सर्वनाम 1.2 विशेषणों के भेद- गुणवाचक विशेषण, संख्यावाचक विशेषण, परिमाणवाचक विशेषण, सार्वनामिक विशेषण 1.3 क्रिया- अकर्मक क्रिया, सकर्मक क्रिया।	15
इकाई-IV	1. नागरी लिपि का उद्भव, विकास। 2. नागरी लिपि की विशेषताएँ। 3. नागरी लिपि में सुधार की संभावनाएँ।	15

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30%

1] 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

2] 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/ पुस्तक परीक्षण/ क्षेत्रीय भेंट/ भाषाविशेषज्ञ आदि का साक्षात्कार, समूह चर्चा, छात्र संगोष्ठी।

सत्रांत परीक्षा : 70%

चार इकाइयों पर अथवा में एक-एक प्रश्न। कुल चार प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य। $4 \times 15 = 60$

प्रश्न 5: वस्तुनिष्ठ बहु पर्यायी 10 प्रश्न। $10 \times 1 = 10$

चारों इकाईयों पर 10 बहु पर्यायी प्रश्न।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. हिंदी रूप रचना (भाग-1,2) संपादक जयेंद्र त्रिवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना- डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, कदमकुआं, पटना
3. हिंदी भाषा- भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
4. राजभाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी के बढ़ते चरण- डॉ. सुनिल व्यवहारे, शुभम पब्लिकेशन्स, कानपुर
5. प्रयोजनमूलक हिंदी आधुनातन आयाम डॉ. अंबादास देशमुख
6. प्रयोजनमूलक हिंदी - तेजपाल चौधरी

7. हिंदी भाषा संरचना- भोलानाथ तिवारी
8. हिंदी भाषा चिंतन- प्रो. दिलीप सिंह, वाणी प्रकाशन.
9. भाषा, साहित्य और संस्कृति शिक्षण प्रो. दिलीप सिंह
10. हिंदी का उद्भव और विकास- डॉ. हरदेव बाहरी
11. हिंदी भाषा- कैलासचंद्र भाटिया
12. भाषा और भाषा विज्ञान- तेजपाल चौधरी
13. विशुद्ध हिंदी भाषा - सदानंद भोसले, विकास प्रकाशन, कानपुर

तृतीय वर्ष कला (हिंदी) तृतीय वर्ष / पंचम अयन

Major core course 2 credit practical
हिंदी भाषा का विकास : प्रत्यक्ष कार्य

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-352-MJP	Major core	हिंदी भाषा का विकास : प्रत्यक्ष कार्य	प्रात्यक्षिक	P	2

पाठ्यक्रम के लक्ष्य (Aim)

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा की संकल्पना, उसकी विशेषताओं तथा विभिन्न रूपों के वैज्ञानिक अध्ययन से परिचित कराना है। इसके माध्यम से छात्र भाषा क्या है, उसकी प्रकृति और समाज में उसकी भूमिका को समझ सकेंगे। समूह चर्चा, चार्ट निर्माण, तुलनात्मक तालिका तथा उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थी भाषा के विविध रूप जैसे बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा का ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही अपनी मातृभाषा या स्थानीय बोली के उदाहरणों के माध्यम से भाषा की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए वे बोली और भाषा के अंतर को भी व्यावहारिक रूप से समझ सकेंगे। इस प्रक्रिया से विद्यार्थियों में भाषिक विविधता के प्रति जागरूकता और सम्मान की भावना विकसित होगी।

इसके अतिरिक्त इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा की संरचना, शब्द भंडार, व्याकरणिक स्वरूप तथा नागरी लिपि के विकास के प्रति सम्यक समझ विकसित करना भी है। मानचित्र कार्य, लोकगीत एवं लोकोक्ति संग्रह, शब्द वर्गीकरण, वाक्य निर्माण, संवाद लेखन तथा विभिन्न व्याकरणिक गतिविधियों के माध्यम से छात्र हिंदी भाषा के प्रयोगात्मक पक्ष को सीखेंगे। साथ ही नागरी लिपि के उद्भव, विकास और उसकी वैज्ञानिक विशेषताओं का अध्ययन कर वे देवनागरी की उपयोगिता तथा उसमें संभावित सुधारों पर विचार कर सकेंगे। इन सभी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषिक विश्लेषण क्षमता, रचनात्मक अभिव्यक्ति और भाषा के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना ही इस पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1.विद्यार्थी भाषा की परिभाषा एवं विशेषताओं को स्पष्ट रूप से समझाकर उदाहरणों सहित व्याख्या कर सकेंगे।
2.विद्यार्थी भाषा के विविध रूप - बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा का तुलनात्मक अध्ययन कर चार्ट एवं प्रस्तुति तैयार कर सकेंगे।
3.विद्यार्थी एक ही विषय को बोली और मानक भाषा में प्रस्तुत कर दोनों के स्वरूप, शैली एवं प्रयोगगत भिन्नताओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
4.विद्यार्थी राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा की संकल्पना को समझते हुए कार्यालय, संसद, घर एवं बाज़ार जैसी विभिन्न परिस्थितियों में प्रयुक्त भाषा-रूपों का उपयुक्त प्रयोग कर सकेंगे।
5.विद्यार्थी बोली और भाषा में अंतर को उदाहरणों सहित तुलनात्मक तालिका के माध्यम से स्पष्ट कर सकेंगे तथा क्षेत्रीय सर्वेक्षण द्वारा स्थानीय बोली के शब्दों का संकलन कर मानक हिंदी से तुलना कर सकेंगे।
6.विद्यार्थी ‘मेरी बोली और हिंदी भाषा’ विषय पर मौखिक प्रस्तुति देकर भाषिक विविधता के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।
7.विद्यार्थी हिंदी के बोली-वर्गों - पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी एवं पहाड़ी हिंदी को भारत के भाषाई मानचित्र पर चिह्नीत कर उनकी प्रमुख विशेषताओं का परिचय दे सकेंगे।

8.विद्यार्थी विभिन्न हिंदी बोलियों के लोकगीत, लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे एकत्र कर श्रवण-दृश्य माध्यमों से उनकी पहचान एवं विश्लेषण कर सकेंगे।

9.विद्यार्थी हिंदी के शब्द-भंडार का वर्गीकरण (तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी) कर शब्दों की उत्पत्ति पहचान सकेंगे तथा दैनिक जीवन से शब्द-संग्रह परियोजना पूर्ण कर सकेंगे।

10.विद्यार्थी हिंदी के व्याकरणिक स्वरूप (सर्वनाम, विशेषण, क्रिया) का व्यावहारिक प्रयोग करते हुए वाक्य-निर्माण, संवाद-लेखन एवं विश्लेषण कर सकेंगे तथा देवनागरी (नागरी) लिपि के उद्भव, विकास, विशेषताओं एवं सुधार की संभावनाओं पर समालोचनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत कर सकेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical reasoning	Research-related skills	Cooperation/ Team work	Scientific reasoning	Reflective thinking	Self-directed learning	Information / Digital literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skill	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	**PO-2**	**PO-3**	**PO-4**	**PO-5**	**PO-6**	**PO-7**	**PO-8**	**PO-9**	**PO-10**	**PO-11**	**PO-12**	**PO-13**	**PO-14**	**PO-15**	**PSO-1**	**PSO-2**	**PSO-3**	**PSO-4**	**PSO-5**
CO-1	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-2	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-3	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-4	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-5	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-6	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-7	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-8	3	3	2	2	2	2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	1	1
CO-9	3	3	2	2	2	3	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	3	1	1
CO-10	3	3	2	2	2	3	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	3	1	1
Wgt Avg	3	3	2	2	2	2.2	2	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2.2	1	1

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	**पाठ्य विषय**	**तासिकाएं**
	1. भाषा की परिभाषा, विशेषताएँ एवं विविध रूप	

इकाई I	समूह चर्चा - विषय: भाषा क्या है? भाषा की विशेषताएँ। छात्र अपनी बोली/मातृभाषा के उदाहरण देकर भाषा की विशेषताओं को स्पष्ट करें। 2. चार्ट निर्माण - भाषा के विविध रूप (बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा आदि) पर। एक ही विषय को बोली और मानक भाषा में प्रस्तुत कराना। राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा को ध्यान में रखकर कार्यालय, संसद, घर, बाज़ार - इन स्थितियों में प्रयुक्त भाषा रूपों का प्रयोग कराना। 3. बोली और भाषा में अंतर - तुलनात्मक तालिका निर्माण - बोली और भाषा में अंतर को उदाहरणों सहित तालिका में लिखना। क्षेत्रीय सर्वेक्षण - छात्रों से अपने क्षेत्र की बोली के शब्द एकत्र कर मानक हिंदी से तुलना कराना। मौखिक प्रस्तुति – 'मेरी बोली और हिंदी भाषा' विषय पर लघु भाषण आदि। 4. हिंदी के बोली वर्ग - भारत का भाषाई मानचित्र - मानचित्र पर पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी हिंदी क्षेत्रों को दर्शाना। लोकगीत/लोकोक्ति संग्रह। विभिन्न हिंदी बोलियों के लोकगीत, कहावतें या मुहावरे एकत्र करना। श्रवण-दृश्य गतिविधि - अलग-अलग बोलियों के ऑडियो/वीडियो सुनकर पहचान करना। 5. हिंदी का शब्द भंडार - शब्द वर्गीकरण अभ्यास - दिए गए शब्दों को तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी वर्गों में बाँटना। शब्द संग्रह परियोजना। दैनिक जीवन से शब्द एकत्र कर उनकी उत्पत्ति पहचानना। खेल गतिविधि - शब्द पहचान खेल	30
इकाई II	1.हिंदी का व्याकरणिक स्वरूप - (अ) सर्वनाम- वाक्य निर्माण अभ्यास - प्रत्येक प्रकार के सर्वनाम से वाक्य बनवाना। संवाद लेखन - संवाद में विभिन्न सर्वनामों का प्रयोग। (ब) विशेषण - चित्र आधारित गतिविधि - चित्र देखकर विशेषणों का प्रयोग। विशेषण खोज खेल, दिए गए अनुच्छेद से विशेषण पहचानना। (क) क्रिया - क्रिया पहचान अभ्यास - वाक्यों से अकर्मक और सकर्मक क्रियाएँ अलग करना। 2. नागरी लिपि (अ) उद्भव एवं विकास - ब्राह्मी से नागरी लिपि तक की विकास यात्रा पर लेख। चित्र प्रदर्शनी - प्राचीन शिलालेखों और हस्तलिखित पांडुलिपियों के चित्र। (ब) नागरी लिपि की विशेषताएँ - लिपि विश्लेषण कार्य, देवनागरी की वैज्ञानिक विशेषताओं पर चर्चा। तुलनात्मक अध्ययन - देवनागरी और अन्य लिपियों की तुलना। (क) सुधार की संभावनाएँ - विचार लेखन – 'देवनागरी लिपि में सुधार की आवश्यकता' विषय पर लेख। 'देवनागरी लिपि' के आधार पर वाद-विवाद प्रतियोगिता या पक्ष–विपक्ष में चर्चा।	30

अंक विभाजन:

आतंरिक मूल्यांकन - 30% (1 अंक)

1) 15 अंकों के लिए अध्ययन यात्रा / पुस्तक परीक्षण / क्षेत्र भेंट / विषय विशेषज्ञ का साक्षात्कार/छात्र गोष्ठी/मौखिक परीक्षा/ लिखित परीक्षा / परियोजना / क्षेत्रीय भेंट / ग्रंथालय कार्य / समूह चर्चा / प्रस्तुति / शोध परियोजना आदि।

सत्रांत परीक्षा - 70% (35 अंक)

प्रात्यक्षिक सत्रांत परीक्षा।

1. प्रश्न 1 और 2 इकाई I और II पर 10 + 10 = 20 अंको के लिए संबंधी कौशलाधारित कार्य छात्रों से प्रत्यक्ष करवाना होगा।
2. प्रश्न 3 - इकाई I और II पर संबंधित विषय पर लिखकर प्रस्तुति करनी अपेक्षित है। इसके लिए 15 अंक होंगे।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. हिंदी रूप रचना (भाग-1,2) संपादक जयेंद्र त्रिवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना- डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, कदमकुआं, पटना
3. हिंदी भाषा- भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
4. राजभाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी के बढ़ते चरण- डॉ. सुनिल व्यवहारे, शुभम पब्लिकेशन्स, कानपुर
5. प्रयोजनमूलक हिंदी आधुनातन आयाम डॉ. अंबादास देशमुख
6. प्रयोजनमूलक हिंदी - तेजपाल चौधरी
7. हिंदी भाषा संरचना- भोलानाथ तिवारी
8. हिंदी भाषा चिंतन- प्रो. दिलीप सिंह, वाणी प्रकाशन.
9. भाषा, साहित्य और संस्कृति शिक्षण प्रो. दिलीप सिंह
10. हिंदी का उद्भव और विकास- डॉ. हरदेव बाहरी
11. हिंदी भाषा- कैलासचंद्र भाटिया
12. भाषा और भाषा विज्ञान- तेजपाल चौधरी

तृतीय वर्ष कला (हिंदी) पंचम अयन

Major Core Course : 4 Credit Theory

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-353-MJT	Major Core	प्रयोजमूलक हिंदी	सैद्धांतिक	T	4

पाठ्यक्रम का लक्ष्य (AIMS) :

प्रयोजन से तात्पर्य है उद्देश्य अथवा प्रयुक्ति। 'मूलक' से तात्पर्य है आधारित। अत: प्रयोजनमूलक भाषा से तात्पर्य हुआ किसी विशिष्ट उद्देश्य के अनुसार प्रयुक्त भाषा। इस तरह प्रयोजनमूलक हिन्दी से तात्पर्य हिन्दी का वह प्रयुक्तिपरक विशिष्ट रूप या शैली है जो विषयगत तथा संदर्भगत प्रयोजन के लिए विशिष्ट भाषिक संरचना द्वारा प्रयुक्त की जाती है। साहित्येतर मानक भाषा को ही प्रयोजनमूलक भाषा कहते हैं, जो विशेष भाषा समुदाय के समस्त जीवन-संदर्भो को निश्चित शब्दों और वाक्य संरचना के द्वारा अभिव्यक्त करने में सक्षम हो। भाषिक उपादेयता एवं विशिष्टिता का प्रतिपादन प्रयोजनमूलक भाषा से होता है। राजभाषा के अतिरिक्त अन्य नये-नये व्यवहार क्षेत्रों में हिन्दी का प्रचार तथा प्रसार होता है, जैसे रेलवे प्लेटफार्म, मंदिर, धार्मिक संस्थानों आदि में। जीवन के कई प्रतिष्ठित क्षेत्रों में भी अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी का प्रयोग किया जाता है। विज्ञान और तकनीकी शिक्षा, कानून और न्यायालय, उच्चस्तरीय वाणिज्य और व्यापार आदि सभी क्षेत्रों में हिन्दी का व्यापक प्रयोग होता है। व्यापारियों और व्यावसायियों के लिए भी हिन्दी का प्रयोग सुविधाजनक और आवश्यक बन गया है। भारतीय व्यापारी आज हिन्दी की उपेक्षा नहीं कर सकते, उनके कर्मचारी, ग्राहक सभी हिन्दी बोलते हैं। व्यवहार के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग प्रयोजनों से हिन्दी का प्रयोग किया जाता है। बैंक मे हिन्दी के प्रयोग का प्रयोजन अलग है तो सरकारी कार्यालयो में हिन्दी के प्रयोग का प्रयोजन अलग है। हिन्दी के इस स्वरूप को ही प्रयोजनमूलक हिन्दी कहते हैं।

प्रयोजनमूलक हिंदी के अध्ययन से छात्रों को रोजगार की संभावनाए अधिक है। इस दृष्टि से स्नातक स्तर पर छात्र के लिए यह विषय आवश्यक है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcoms)

1. प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा समझ सकेंगे।

2. हिंदी व्याकरण के मूलभूत नियमों का सटीक प्रयोग कर सकेंगे।

3. वाक्य शुद्धि एवं रूपांतरण की क्षमता विकसित कर सकेंगे।

4. विभिन्न विषयों पर निबंध लेखन में प्रवीणता प्राप्त कर सकेंगे।

5. राजभाषा हिंदी के संवैधानिक और कानूनी पक्ष को समझ सकेंगे।

6. कार्यालयीन हिंदी के प्रारूप लिखने में सक्षम हो सकेंगे।

7. प्रशासनिक एवं वैज्ञानिक शब्दावली का निर्माण एवं अनुवाद कर सकेंगे।

8. मीडिया के लिए हिंदी में सामग्री तैयार कर सकेंगे।

9. मानक हिंदी वर्तनी एवं शुद्ध लेखन की विधियाँ अपना सकेंगे।

10. व्यावहारिक जीवन एवं रोजगार के लिए हिंदी का प्रयोग करने में सक्षम हो सकेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital Literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	2	2	3	3	2	2	2	2	3	2	3	3	2	2	2	3	2	2	3	2
CO-2	2		3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2		3	2	2	2	2
CO-3	3	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	2	2	3
CO-4	3		3	3	2	2	2	2	3	2	2	3	2	2	2	3	2	2	3	3
CO-5	3	2	3			2			2	2	3	3	2	2		3	2	2	3	2
CO-6	2			3			2		3	2	3	3		2	2	3		2	3	3
CO-7	2		3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2		3	2	2		2
CO-8	3	3	3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2
CO-9	3		2	2	2	2	2	2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	2		2
CO-10	3	2	2	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2
Wgt Avg	2.6	2.4	2.7	2.3	2	2	2.1	2	2.3	2	2.7	3	2	2	2	3	2	2	2.5	2.3

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

पाठ्यक्रम

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1	**प्रयोजनमूलक हिंदी:** 1. प्रयोजनमूलक हिंदी: अवधारणा, अर्थ एवं परिभाषा 2. प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं मीडिया में प्रयोजनमूलक हिंदी 3. रोजगार एवं लोक प्रशासन में हिंदी 4. प्रशासनिक एवं सरकारी सेवाओं के लिए हिंदी भाषा का महत्व	15
इकाई2	**हिंदी व्याकरण** 1. वर्ण विन्यास, वर्तनी एवं विराम चिह्न	15

	2. संधि, समास, उपसर्ग-प्रत्यय, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, संबंध बोधक, समुच्चय बोधक 3. वाक्य शुद्धि एवं वाक्य रूपांतरण 4. मुहावरे, लोकोक्तियाँ, पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी शब्द 5. निबंध लेखन: सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरण बोध, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक विषय	
इकाई 3	**राजभाषा हिंदी** 1. राजभाषा हिंदी: नीति, अधिनियम और नियम 2. कार्यालयीन हिंदी: पत्र, ज्ञापन, अधिसूचना, परिपत्र आदि 3. प्रशासनिक एवं सरकारी शब्दावली 4. हिंदी शब्दावली निर्माण के सिद्धांत और प्रक्रिया (भारतीय संविधान, संसद, न्यायपालिका) 5. कार्यालयीन वाक्यांश अनुवाद वैज्ञानिक एवं तकनीकी सामाजिक विज्ञान 6. राजभाषा हिंदी का प्रचार और प्रसार करनेवाली संस्थाएँ	15
इकाई 4	**व्यावहारिक लेखन** 1. मानक हिन्दी वर्तनी के नियम एवं शुद्ध लेखन की विधियाँ 2. मीडिया के लिए हिंदी का प्रयोग: समाचार, स्तंभ लेखन, प्रेस विज्ञप्ति तथा ई-गवर्नेंस से संबंधित सामग्री 3. प्रशासनिक लेखन: सरकारी/अर्धसरकारी पत्राचार, नोटिंग, ड्राफ्टिंग एवं परिपत्र; प्रतिवेदन, प्रस्ताव और ज्ञापन लेखन, आवेदन पत्र, शिकायती पत्र, जीवन-वृत्त लेखन, साक्षात्कार विधि, सूत्रसंचालन एवं कार्यक्रम पत्रिका	15

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30%

1] 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

2] 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/ पुस्तक परीक्षण/ क्षेत्रीय भेंट/ भाषाविशेषज्ञ आदि का साक्षात्कार, समूह चर्चा, छात्र संगोष्ठी।

सत्रांत परीक्षा : 70%

चार इकाइयों पर अथवा में एक-एक प्रश्न। कुल चार प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य। $4\times15 = 60$

प्रश्न 5: वस्तुनिष्ठ बहु पर्यायी 10 प्रश्न। $10\times1 = 10$

चारों इकाईयों पर 10 बहु पर्यायी प्रश्न।

संदर्भ ग्रंथ

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. दंगल झाल्टे

2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका - कैलाशनाथ पाण्डेय

3. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता - डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह

4. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. वखतसिंह गोहिल

5. आधुनिक बैंकिंग में शब्द निर्णय - ओमप्रकाश बिल्लौरे

6. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. दीपक पाटिल

तृतीय वर्ष कला (हिंदी) 6 अयन

Major Core Course : 2 Credit Practical

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-354-MJP	Major Core	प्रयोजमूलक हिंदी - प्रत्यक्ष कार्य	प्रात्यक्षिक	P	2

पाठ्यक्रम का लक्ष्य (AIMS) :

भाषिक उपादेयता एवं विशिष्टिता का प्रतिपादन प्रयोजनमूलक भाषा से होता है। राजभाषा के अतिरिक्त अन्य नये-नये व्यवहार क्षेत्रों में हिन्दी का प्रचार तथा प्रसार होता है, जैसे रेल्वे प्लेटफार्म, मंदिर, धार्मिक संस्थान आदि। जीवन के कई प्रतिष्ठित क्षेत्रों में भी अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी का प्रयोग किया जाता है। विज्ञान और तकनीकी शिक्षा, कानून और न्यायालय, उच्चस्तरीय वाणिज्य और व्यापार आदि सभी क्षेत्रों में हिन्दी का व्यापक प्रयोग होता है। इस दृष्टि से स्नातक स्तर पर छात्र के लिए यह विषय आवश्यक है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcoms)

1. छात्र प्रशासन, शिक्षा एवं मीडिया में प्रयोजनमूलक हिंदी का व्यावहारिक प्रयोग कर सकेंगे।
2. छात्र रोजगार एवं लोक प्रशासन में हिंदी के महत्व को समझेंगे।
3. विद्यार्थियों में वाक्य शुद्धिकरण एवं वाक्य रूपांतरण करने की क्षमता विकसित होगी।
4. विद्यार्थी मुहावरों एवं लोकोक्तियों का सटीक प्रयोग कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर सुगठित निबंध लेखन में सक्षम हो सकेंगे।
6. विद्यार्थी मानक हिंदी वर्तनी एवं शुद्ध लेखन के नियम समझ पाएंगे।
7. विद्यार्थी मीडिया हेतु हिंदी सामग्री तैयार कर सकेंगे।
8. विद्यार्थी व्यावहारिक पत्र-लेखन एवं जीवन-वृत्त लिखने में सक्षम होंगे।
9. विद्यार्थी साक्षात्कार विधि एवं सूत्रसंचालन कौशल प्राप्त कर सकेंगे।
10. विद्यार्थी प्रशासनिक एवं कार्यालयीन परिवेश में हिंदी का प्रयोग करने में सक्षम होंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital Literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	2	2	3	3	2	2	2	2	3	2	3	3	2	2	2	3	2	2	3	2
CO-2	2		3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2		3	2	2	2	2
CO-3	3	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	2	2	3
CO-4	3		3	3	2	2	2	2	3	2	2	3	2	2	2	3	2	2	3	3
CO-5	3	2	3			2			2	2	3	3	2	2		3	2	2	3	2
CO-6	2			3			2		3	2	3	3		2	2	3		2	3	3
CO-7	2		3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2		3	2	2		2
CO-8	3	3	3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2
CO-9	3		2	2	2	2	2	2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	2		2
CO-10	3	2	2	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2
Wgt Avg	2.6	2.4	2.7	2.3	2	2	2.1	2	2.3	2	2.7	3	2	2	2	3	2	2	2.5	2.3

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

पाठ्यक्रम

प्रत्यक्ष कार्य विधि

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1 **प्रयोजनमूलक हिंदी:** 1. प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं मीडिया में प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयोग 2. रोजगार एवं लोक प्रशासन में हिंदी 3. प्रशासनिक एवं सरकारी सेवाओं के लिए हिंदी भाषा का महत्व 4. वाक्य शुद्धि एवं वाक्य रूपांतरण 5. मुहावरे, लोकोक्तियाँ अर्थ, संग्रह 6. निबंध लेखन: सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरण बोध, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक विषय		30

इकाई 2 व्यावहारिक लेखन 1. मानक हिन्दी वर्तनी के नियम एवं शुद्ध लेखन की विधियाँ 2. मीडिया के लिए हिंदी का प्रयोग: समाचार, स्तंभ लेखन, प्रेस विज्ञप्ति तथा ई-गवर्नेंस से संबंधित सामग्री 3. आवेदन पत्र, शिकायती पत्र, जीवन-वृत्त लेखन, साक्षात्कार विधि, सूत्रसंचालन एवं कार्यक्रम पत्रिका	30

अंक विभाजन:

आंतरिक मूल्यांकन 30%

1. 15 अंको के लिए अध्ययन यात्रा/ वाक्य शुद्धि/ वाक्य रूपांतरण/ मुहावरे, लोकोक्तियाँ संकलन / निबंध लेखन / समूह चर्चा/ मौखिक परीक्षा/ लिखित परीक्षा/ क्षेत्रीय भेट / ग्रंथालय कार्य / शोध परियोजना आदि

सत्रांत परीक्षा 70%

प्रश्न 1. इकाई I पर चार प्रश्न, जिनमे से दो प्रश्नो के उत्तर लिखने है l	2 × 7 = 14
प्रश्न 2. इकाई II पर चार प्रश्न, जिनमे से दो प्रश्नो के उत्तर लिखने है l	2 × 7 = 14
प्रश्न 3. दोनो इकाई पर सात बहु पर्यायी प्रश्न l	1× 7 = 7

संदर्भ ग्रंथ

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. दंगल झाल्टे

2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका - कैलाशनाथ पाण्डेय

3. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता - डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह

6. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. दीपक पाटिल

तृतीय वर्ष कला (हिंदी) पंचम अयन

Major Elective Course: 2 Credit Theory

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-360-MJET	Major Elective	इलेक्ट्रॉनिक माध्यम लेखन और संपादन	सैद्धांतिक	T	2

पाठ्यक्रम का लक्ष्य (Aims) :

यह पाठ्यक्रम तृतीय वर्ष कला के हिंदी मुख्य विषय के छात्रों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के स्वरूप, अवधारणा और उपयोगिता से परिचित कराना है। इसके माध्यम से छात्र रेडियो, टेलीविजन, ब्लॉग, यूट्यूब, पॉडकास्ट तथा ईमेल जैसे माध्यमों की कार्यप्रणाली समझ सकेंगे। इस पाठ्यक्रम में रेडियो के इतिहास, विभिन्न कार्यक्रमों तथा उनकी प्रस्तुति शैली का अध्ययन कराते हुए छात्रों में रेडियो लेखन और प्रस्तुति कौशल विकसित किया जाएगा। साथ ही एफ.एम. तथा सामुदायिक रेडियो की भूमिका और महत्व से भी अवगत किया जाएगा। छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में प्रयुक्त भाषा की विशेषताओं तथा प्रभावी संप्रेषण की तकनीक से परिचित किया जाएगा। यह पाठ्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक तथा डिजिटल माध्यम लेखन में नैतिकता और आचार संहिता के महत्व को भी अंकित करेगा। इसके अतिरिक्त छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम संपादन की प्रक्रिया, समाचार बुलेटिन संपादन तथा स्क्रिप्ट लेखन एवं संपादन के मूल तत्त्वों का व्यावहारिक ज्ञान एवं कौशल प्रदान किए जाएँगे। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्रों रोजगार प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करेगा।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात छात्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की संरचना एवं कार्यप्रणाली को समझेंगे।
2. छात्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और प्रिंट माध्यम के बीच के अंतर को पहचान सकेंगे।
3. छात्र रेडियो तथा डिजिटल माध्यमों के लिए लेखन कर सकेंगे।
4. छात्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के लिए उपयुक्त भाषा एवं शैली का प्रयोग कर सकेंगे।
5. छात्र व्यावहारिक एवं व्यावसायिक लेखन कर सकेंगे।
6. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के लिए आवश्यक सम्पादन कला सीखेंगे।
7. छात्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के लिए आवश्यक लेखन कौशल प्राप्त करेंगे।
8. छात्र ऑडियो एवं वीडियो सामग्री के सम्पादन का अनुभव प्राप्त करेंगे।
9. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की नैतिकता एवं व्यावसायिक जिम्मेदारियों से अवगत होंगे।
10. छात्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम लेखन एवं सम्पादन कौशल प्राप्त करेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital Literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1	3						2		3	2	3	3	3		3	3	2		2	
CO-2	3						2		3	3	3	3			3	3	2			2
CO-3		3	3			2	2	2	3	3	3	3	3		3	3	3	2	3	2
CO-4		3	2			2			3	3	2	3	3		3	3	3	2	3	3
CO-5		3	3			3	3	3	3	3	3		3		3	3	3		3	3
CO-6	3	2	3	2	3	3	3	3	3	3	2	2	3		3	3	3	3	3	2
CO-7		3	3		2	2			2	3	2	2	2		3	3	3		2	3
CO-8		3	3		2	2			2	3	2	2	2		3	3	3		2	3
CO-9	3	2					3			2			3	3	3	3	3		3	
CO-10		2	3		2		3	2	3	3	3	2	3		3	2	3	2	3	2
Wgt Avg	3	2.6	2.8	2	2.2	2.3	2.5	2.5	2.7	2.8	2.5	2.5	2.7	3	3	2.9	2.8	2.2	2.6	2.2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान व्याख्यान, समूह चर्चा, कार्यशाला, लेखन एवं सम्पादन अभ्यास आदि।

पाठ्यक्रम

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1	**इलेक्ट्रॉनिक माध्यम** 1. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम: स्वरूप और अवधारणा **2.** इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का परिचय: रेडियो, टेलीविजन, चिट्ठा (ब्लॉग), यूट्यूब, पॉडकास्ट, ईमेल **आदि**	15

	3. रेडियो का इतिहास और परिचय 4. रेडियो कार्यक्रम- समाचार, शिक्षा, मनोरंजन, वार्ता, चर्चा, परिसंवाद, फोन इन प्रोग्राम आदि 5. रेडियो लेखन एवं प्रस्तुति 6. एफ. एम. रेडियो तथा सामुदायिक रेडियो 7. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में भाषा का स्वरूप और विशेषताएँ 8. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम लेखन नैतिकता एवं आचार संहिता	
इकाई2	**इलेक्ट्रॉनिक माध्यम सम्पादन** 1. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम सम्पादन: स्वरूप और अवधारणा 2. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम सम्पादन प्रक्रिया 1. समाचार बुलेटिन सम्पादन 2. स्क्रिप्ट लेखन एवं सम्पादन के तत्त्वों का सामान्य परिचय 3. भाषा प्रयोग तथा माध्यम प्रस्तुति	15

अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

1. 15 अंकों के लिए लघुत्तरी परीक्षा / सेमिनार / समूह चर्चा / रेडिओ के लिए स्क्रिप्ट लेखन / चिट्ठा (ब्लॉग) लेखन आदि।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

प्र. 1	प्रथम इकाई पर 4 में से 2 प्रश्न	7 x 2 = 14
प्र. 2	द्वितीय इकाई पर 4 में से 2 प्रश्न	7 x 2 = 14
प्र. 5	दोनों इकाइयों पर वस्तुनिष्ठ बहुपर्यायी प्रश्न	1 x 7 = 7

संदर्भ ग्रंथ:

1. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया- पी. के. आर्य, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
2. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया- संजीव भानावत, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
3. भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया- देवव्रत सिंह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
4. इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम- सुधीर सोनी, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
5. भारत में इलेक्ट्रॉनिक एवं न्यू मीडिया- राकेश चन्द्र रयाल, समयसाक्ष्य प्रकाशन, देहरादून
6. टेलीविज़न की कहानी- श्याम कश्यप तथा मुकेश कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. टेलीविज़न समाचार- मुस्तफा जैदी, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ
8. एंकर रिपोर्टर- पुण्य प्रसून वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी- सुधीश पचौरी तथा अचला शर्मा
10. खबरें विस्तार से- श्याम कश्यप तथा मुकेश कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. सम्प्रेषण और रेडियो शिल्प- विश्वनाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. इलेक्ट्रॉनिक युग में पत्रकारिता का बदलता स्वरूप- मीनाक्षी वशिष्ठ, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

13. जनसंचार और तकनीकी माध्यम विविध आयाम - प्रो. अनिल काळे, चिन्तन प्रकाशन, 3 ए/119, आवास विकास हंसपुरम, कानपुर

तृतीय वर्ष कला (हिंदी) पंचम अयन

Major Elective Course: 2 Credit Practical

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-361-MJEP	Major Elective	इलेक्ट्रॉनिक माध्यम लेखन और संपादन	प्रात्यक्षिक	P	2

पाठ्यक्रम का लक्ष्य (Aims) :

यह प्रात्यक्षिक पाठ्यक्रम तृतीय वर्ष कला के हिंदी मुख्य विषय के छात्रों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है जिसका लक्ष्य विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की कार्यप्रणाली की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक समझ प्रदान करना है। इसके माध्यम से छात्रों में रेडियो तथा डिजिटल माध्यम के लिए लेखन कौशल विकसित करना इसका उद्देश्य है। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और प्रिंट माध्यम के अंतर को स्पष्ट करते हुए इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की भाषा और प्रस्तुति कौशल से छात्र अवगत होंगे। समाचार तथा फीचर लेखन का अभ्यास के द्वारा उनमें रचनात्मक और व्यावसायिक क्षमता का विकास होगा। इसके साथ ही सम्पादन की मूल प्रक्रिया और तकनीक का ज्ञान वे प्राप्त करेंगे। यह पाठ्यक्रम छात्रों को समाचार संकलन, सम्पादन और प्रस्तुति में सक्षम बनाएगा। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम लेखन एवं सम्पादन के लिए आवश्यक व्यावसायिक कौशलों जैसे आत्मविश्वास, टीमवर्क और प्रस्तुति कौशल आदि का विकास करना अपने आप में इसका उद्देश्य है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्रों रोजगार प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करेगा।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात छात्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए समाचार लेखन करना सीखेंगे।
2. छात्र रेडियो फीचर, वार्ता और साक्षात्कार की स्क्रिप्ट लिखने में सक्षम होंगे।
3. छात्र पॉडकास्ट और ब्लॉग के लिए विषय के अनुसार लेखन कर सकेंगे।
4. छात्र वॉइस-ओवर के लिए संवाद लिखना सीखेंगे।
5. छात्र डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए समाचार लिखने की विशेषताओं को समझेंगे।
6. छात्र समाचार स्क्रिप्ट का सम्पादन करना और गलतियों को सुधारना सीखेंगे।
7. छात्र रेडियो बुलेटिन तैयार करने और उसका सम्पादन कर सकेंगे।
8. छात्र ऑडियो और वीडियो सामग्री के सम्पादन की मूल जानकारी प्राप्त करेंगे।
9. छात्र समाचार और कार्यक्रम प्रस्तुति में सही उच्चारण और प्रवाह का अभ्यास करेंगे।
10. छात्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में लेखन, सम्पादन और प्रस्तुति का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital Literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1		3	2						3	3	3		2		3		3		3	
CO-2		3	3		1				3	3	3		2		3		3		3	
CO-3		3	3		2				3	3	3		2		3		3		3	
CO-4		3	3						3	3	3		2		3		3		3	
CO-5	3												3		3	3			2	
CO-6		3		1					3	3	3				3		2			
CO-7		3				1			3	3	3		3		3		3			
CO-8	3		3	1					2	3	3		2		3	3	3		2	
CO-9		3					2		3	3	3		2	1	3		3	2	2	2
CO-10		3					2		3	3	3		2	1	3		3	2	2	2
Wgt Avg	3	3	3	1	1	1	2		2.8	3	3		2.2	1	3	3	3	2	2.5	2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान व्याख्यान, समूह चर्चा, कार्यशाला, लेखन एवं सम्पादन अभ्यास आदि।

पाठ्यक्रम

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई 1	**इलेक्ट्रॉनिक माध्यम लेखन अभ्यास** 1. रेडियो समाचार लेखन अभ्यास 2. रेडियो फीचर एवं वार्ता स्क्रिप्ट लेखन 3. पॉडकास्ट तथा ब्लॉग लेखन 4. पार्श्व स्वर (वॉइस-ओवर) लेखन 5. डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए समाचार लेखन	30
इकाई 2	**इलेक्ट्रॉनिक माध्यम सम्पादन** 1. समाचार स्क्रिप्ट का सम्पादन अभ्यास 2. रेडियो बुलेटिन का संकलन एवं सम्पादन 3. ऑडियो तथा वीडियो सामग्री का सम्पादन 4. समाचार तथा कार्यक्रम प्रस्तुति अभ्यास	30

अंक विभाजनः

आतंरिक मूल्यांकन - 30% (15 **अंक**)

1. 15 अंकों के लिए अध्ययन यात्रा / इलेक्ट्रॉनिक माध्यम कार्यालय भेंट/वृत्तचित्र निर्माण/ क्षेत्र भेंट / विषय विशेषज्ञ का साक्षात्कार/छात्र गोष्ठी/मौखिक परीक्षा/ लिखित परीक्षा / परियोजना / क्षेत्रीय भेंट / ग्रंथालय कार्य / समूह चर्चा / प्रस्तुति / शोध परियोजना आदि।

सत्रांत परीक्षा - 70% (35 **अंक**)

प्रात्यक्षिक सत्रांत परीक्षा।

1. प्रश्न 1 और 2 इकाई I और II पर 10 + 10 = 20 अंको के लिए संबंधित कौशलाधारित कार्य छात्रों से प्रत्यक्ष करवाना होगा।
2. प्रश्न 3 - इकाई I और II पर संबंधित विषय पर लिखकर प्रस्तुति करनी अपेक्षित है। इसके लिए 15 अंक होंगे।

संदर्भ ग्रंथ:

1. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया- पी. के. आर्य, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
2. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया- संजीव भानावत, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
3. भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया- देवव्रत सिंह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
4. इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम- सुधीर सोनी, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
5. भारत में इलेक्ट्रॉनिक एवं न्यू मीडिया- राकेश चन्द्र रयाल, समयसाक्ष्य प्रकाशन, देहरादून
6. टेलीविज़न की कहानी- श्याम कश्यप तथा मुकेश कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. टेलीविज़न समाचार- मुस्तफा जैदी, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ
8. एंकर रिपोर्टर- पुण्य प्रसून वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी- सुधीश पचौरी तथा अचला शर्मा
10. खबरें विस्तार से- श्याम कश्यप तथा मुकेश कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. सम्प्रेषण और रेडियो शिल्प- विश्वनाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. इलेक्ट्रॉनिक युग में पत्रकारिता का बदलता स्वरूप- मीनाक्षी वशिष्ठ, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
13. जनसंचार और तकनीकी माध्यम विविध आयाम - प्रो. अनिल काळे, चिन्तन प्रकाशन, 3 ए/119, आवास विकास हंसपुरम, कानपुर

तृतीय वर्ष कला (हिंदी) पंचम अयन

Major Elective Course: 2 Credit Theory

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-371-VSC	VSC	**पटकथा लेखन - प्रत्यक्ष कार्य**	**प्रात्यक्षिक**	**P**	**2**

पाठ्यक्रम का लक्ष्य (Aims) :

इस प्रात्यक्षिक पाठ्यक्रम का मुख्य लक्ष्य छात्रों में पटकथा लेखन की व्यावहारिक क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से निर्मित किया गया है। इसके माध्यम से छात्रों कों पटकथा लेखन के संदर्भ में तकनीकी ज्ञान दिया जाएगा जिसमें कथा के आधार पर कथानक निर्माण, उसे दृश्य-दर-दृश्य रूपांतरण तथा संवाद लेखन की कला सीखेंगे। पाठ्यक्रम का लक्ष्य यह भी है कि छात्र लघु फिल्म, वेब सीरीज, वृत्तचित्र और विज्ञापन के लिए उपयुक्त एवं संरचित पटकथा तैयार कर सकें। इसके साथ ही वे कथा, पटकथा और संवाद के समन्वित रूप को समझकर उसे व्यवहार में लागू करने में सक्षम बनेंगे। यह पाठ्यक्रम छात्रों को ड्राफ्ट निर्माण से लेकर अंतिम प्रस्तुति तक का अनुभव प्रदान करता है। साथ ही आधुनिक सॉफ्टवेयर की सहायता से उन्हें स्क्रिप्ट तैयार करने हेतु प्रशिक्षित किया जाता है जिससे उनकी रचनात्मकता और तकनीकी कौशल का विकास हो सके। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र रोजगार प्राप्त करने के लिए आवश्यक व्यावसायिक कौशल सीख सकेंगे।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात छात्र लघु कथा के आधार पर प्रभावी कथानक तैयार कर सकेंगे।
2. छात्र कथा को दृश्य-दर-दृश्य विभाजन में रूपांतरित कर सकेंगे।
3. छात्र कहानी के अनुरूप सार्थक एवं प्रभावी संवाद लेखन कर सकेंगे।
4. छात्र लघु फिल्म के लिए सुसंगठित एवं पूर्ण पटकथा तैयार कर सकेंगे।
5. छात्र पटकथा लेखन की प्रक्रिया में ड्राफ्ट तैयार करना तथा उसका संशोधन कर सकेंगे।
6. विभिन्न दृक-श्रव्य माध्यमों के लिए उपयुक्त पटकथा लिख सकेंगे।
7. छात्र कथा, पटकथा और संवाद के बीच समन्वय स्थापित कर प्रभावी लेखन कर सकेंगे।
8. लघु फिल्म का वॉक-थ्रू विश्लेषण कर उसके संरचनात्मक तत्वों को समझ सकेंगे।
9. छात्र पटकथा लेखन के आधुनिक सॉफ्टवेयर का उपयोग कर सकेंगे।
10. छात्र तैयार पटकथा का प्रभावी प्रस्तुतिकरण तथा रीडिंग सेशन कर सकेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital Literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	**PO-2**	**PO-3**	**PO-4**	**PO-5**	**PO-6**	**PO-7**	**PO-8**	**PO-9**	**PO-10**	**PO-11**	**PO-12**	**PO-13**	**PO-14**	**PO-15**	**PSO-1**	**PSO-2**	**PSO-3**	**PSO-4**	**PSO-5**
CO-1	3	2	2						2	2			2	3	2	3	2	2		
CO-2	3	3	2	2	2			2	2	2			2	3	2	3	3	2	2	2
CO-3	3	2	3	2	2	2		2	2	2			2	3	2	3	2	3	2	2
CO-4	2	2	2	3	2	2		2	2	2			2	2	2	2	2	2	3	2
CO-5	2	2	3	3	3	2		2	2	2			2	2	3	2	2	3	3	3
CO-6	3	3	2	2	2	2	2		2	2	3		2	3	3	3	3	2	2	2
CO-7	3	3	2	3	2	2	2		2	3	3		2	3	3	3	3	2	3	2
CO-8	3	3	3	2	2	2	2		3	3	3		2	3	3	3	3	3	2	2
CO-9	2	2	3	3	3	2	2		3	3	3		2	2	3	2	2	3	3	3
CO-10	2	2	2	2	2	2			2	3	3		2	3	2	2	2	2	2	2
Wgt Avg	**2.6**	**2.4**	**2.4**	**2.4**	**2.2**	**2**	**2**	**2**	**2.2**	**2.4**	**3**		**2**	**2.7**	**2.5**	**2.6**	**2.4**	**2.4**	**2.4**	**2.2**

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

कार्यशाला, प्रायोगिक अभ्यास, सहभागी शिक्षण, सहकर्मी मूल्यांकन, प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षण, प्रदर्शन एवं विश्लेषण, समूह कार्य एवं सहयोगात्मक शिक्षण, प्रस्तुतीकरण पद्धति।

पाठ्यक्रम

इकाई	**पाठ्यविषय**	**तासिकाएँ**
इकाई 1	**पटकथा लेखन का अभ्यास** 1. लघु कथा के आधार कथानक तैयार करना 2. कथा को दृश्य-दर-दृश्य विभाजन में रूपांतरित करना 3. कहानी के आधार पर संवाद लेखन 4. लघु फिल्म की पटकथा तैयार करना 5. पटकथा का ड्राफ्ट तैयार करना	30

इकाई2	**दृक-श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन** 1. पटकथा तैयार करना: लघु फिल्म, वेब सीरीज (एक एपिसोड), वृत्तचित्र (डॉक्युमेंट्री), विज्ञापन। 2. कथा, पटकथा और संवाद का समन्वित लेखन। 3. लघु फिल्म का वॉक-थ्रू विश्लेषण 4. पटकथा लेखन के सॉफ्टवेयर का उपयोग करके स्क्रिप्ट तैयार करना: पटकथा लेखन के मुख्य सॉफ्टवेयर- सेल्टेक्स (Celtx), फाइनल ड्राफ्ट (Final Draft), राइटरडुएट (WriterDuet), फेड इन (Fade In) आदि। 5. तैयार पटकथा का प्रस्तुतिकरण / रीडिंग सेशन	30

अंक विभाजन:

आतंरिक मूल्यांकन - 30% (15 अंक)

1. 15 अंकों के लिए अध्ययन यात्रा / फिल्म निर्माण संस्थान से भेंट/वृत्तचित्र निर्माण/ क्षेत्र भेंट / विषय विशेषज्ञ का साक्षात्कार/छात्र गोष्ठी/मौखिक परीक्षा/ लिखित परीक्षा / परियोजना / क्षेत्रीय भेंट / ग्रंथालय कार्य / समूह चर्चा / प्रस्तुति / शोध परियोजना आदि।

सत्रांत परीक्षा - 70% (35 अंक)

प्रात्यक्षिक सत्रांत परीक्षा।

1. प्रश्न 1 और 2 इकाई I और II पर 10 + 10 = 20 अंको के लिए संबंधित कौशलाधारित कार्य छात्रों से प्रत्यक्ष करवाना होगा।
2. प्रश्न 3 - इकाई I और II पर संबंधित विषय पर लिखकर प्रस्तुति करनी अपेक्षित है। इसके लिए 15 अंक होंगे।

संदर्भ ग्रंथ:

1. कथा, पटकथा- मन्नू भंडारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कथा, पटकथा और संवाद- हूबनाथ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पटकथा लेखक: एक परिचय- मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. पटकथा कैसे लिखें- राजेंद्र पाडे, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
5. पटकथा लेखन: फीचर फिल्म- उमेश राठौर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. पटकथा लेखन: व्यावहारिक निर्देशिका- असगर वजाहत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. पटकथा: सौंदर्य और सृजन- डॉ. चंद्रदेव यादव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. साहित्य और सिनेमा- डॉ. जालिंदर इंगळे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. साहित्य और सिनेमा- डॉ. पुरुषोत्तम कुंदे (संपा.), साहित्य संस्थान प्रकाशन, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)
10. सिनेमा और फिल्मांतरित हिंदी साहित्य- डॉ. गोकुळ क्षीरसागर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

11. साहित्य, पटकथा और फिल्मांतरण, डॉ. बाळासाहेब सोनवणे, डॉ. स्मृति चौधरी, प्रकाशक – प्रशांत पब्लिकेशन, जलगांव

On Job Training

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
HIN-381-OJT	OJT	कार्यस्थल पर प्रशिक्षण	प्रशिक्षण	P	4

पाठ्यक्रम का लक्ष्य (Aims) :

On the Job Training (OJT) का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके अध्ययन क्षेत्र से संबंधित वास्तविक कार्यस्थल का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, जिससे वे अपने सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक परिस्थितियों में प्रभावी रूप से लागू कर सकें। यह प्रशिक्षण सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान के बीच की दूरी को कम करते हुए विद्यार्थियों में व्यावसायिक कौशल, कार्य-नैतिकता और अनुशासन का विकास करता है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों के संचार कौशल, टीमवर्क, समस्या-समाधान क्षमता तथा निर्णय लेने की योग्यता में वृद्धि होती है। साथ ही, यह उन्हें संगठनात्मक संरचना, कार्य संस्कृति और जिम्मेदारियों से परिचित कराकर उद्योग की अपेक्षाओं और कार्य मानकों को समझने में सहायता करता है। OJT विद्यार्थियों की रोजगार योग्यता को सुदृढ़ करता है तथा उन्हें आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और भविष्य की पेशेवर चुनौतियों के लिए तैयार बनाता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. छात्र वास्तविक कार्यस्थल की प्रक्रियाओं और कार्यप्रणाली को समझ सकेंगे।
2. छात्र अपने सैद्धांतिक ज्ञान का व्यावहारिक परिस्थितियों में प्रभावी उपयोग कर सकेंगे।
3. संचार कौशल (मौखिक एवं लिखित) में दक्षता प्राप्त करेंगे।
4. टीम में कार्य करने और सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने में सक्षम होंगे।
5. छात्र समस्या-समाधान एवं निर्णय लेने की क्षमता का विकास करेंगे।
6. छात्र कार्यस्थल के अनुशासन, समय प्रबंधन और पेशेवर आचरण का पालन करना सीखेंगे।
7. नवीन परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को अनुकूलित करने में सक्षम होंगे।
8. विशिष्ट कार्य क्षेत्रों से संबंधित व्यावहारिक कौशल अर्जित करेंगे।
9. उद्योग की अपेक्षाओं और कार्य निष्पादन के मानकों को समझ सकेंगे।
10. छात्र रिपोर्ट लेखन, प्रस्तुतीकरण और अनुभव का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital Literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PO-11	PO-12	PO-13	PO-14	PO-15	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5
CO-1			3				2		3	3	3		2		3		3		3	2
CO-2			3				2		3	3	3		2		3		3		3	2
CO-3			3				2		3	3	3		2		3		3		3	2
CO-4			3				2		3	3	3		2		3		3		3	2
CO-5			3				2						3		3	3			2	2
CO-6			3				2		3	3	3				3		2			2
CO-7			3				2		3	3	3		3		3		3			2
CO-8			3				2		2	3	3		2		3	3	3		2	2
CO-9			3				2		3	3	3		2		3		3	2	2	2
CO-10			3				2		3	3	3		2		3		3	2	2	2
Wgt Avg			3				2		2.8	3	3		2.2		3	3	3	2	2.5	2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

अनुभव जन्य शिक्षा।

अ. क्र.	संस्थाएं / कार्यालय	प्रत्यक्ष प्रशिक्षण
1	प्रशासनिक कार्यालय / संस्थाएं	
2	बैंक सेवा कार्यालय	
3	बीमा कार्यालय	
4	अनुवाद केंद्र	
5	रेडिओ / आकाशवाणी	
6	समाचारपत्र	
7	विद्यालय / महाविद्यालय	
8	नाटक समूह / सांस्कृतिक संस्थान	
9	NGO / सामाजिक संस्था	
10	पुस्तकालय	
11	रेल कार्यालय	
12	डाकघर	
13	व्यक्तित्व विकास केंद्र	
14	स्थानिक पत्र पत्रिकाओं के कार्यालय	

15	पर्यटन विभाग	
16	हिंदी प्रचार प्रसार संस्थाएं	
17	मुद्रणालय	
18	व्यावसायिक संस्थाएं	
19	दूर संचार कार्यालय	
20	कंटेन्ट राइटिंग, ब्लॉग, वेबसाइट	

- उपर्युक्त संस्थाओं के अलावा भी संबंधित महाविद्यालय विषय से संबंधित किसी अन्य संस्थान / कार्यालय के साथ संपर्क कर छात्रों को प्रशिक्षित कर सकते हैं। महाविद्यालय द्वारा संबंधित संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन (MOU) करना आवश्यक है।